RNI. NO. RAJHIN/2021/82156

डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/23-25

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -05 | अंक -168 | मूल्यः 2.00 रू. | अलवर, शनिवार 30 अगस्त, 2025 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 8

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

हमनें पेपरलीक पर की कड़ी कार्रवाई, नहीं बख्शेंगे दोषियों कोः सीएम भजनलाल शर्मा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राज्य सरकार ने पिछले साल हरियाली तीज के अवसर पर 'हरियालो राजस्थान' अभियान शुरू किया। जिसके अन्तर्गत हमनें पिछले वर्ष 7 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा और साढ़े 7 करोड़ पौधे लगाकर लक्ष्य को पूरा किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष राज्य सरकार ने 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा और अब तक 11 करोड़ से अधिक पौधे लगाए हैं। इस तरह हम अब तक साढ़े 18 करोड़ पौधे लगा चुके हैं। राज्य सरकार 5 वर्ष में 50 करोड़ पेड़ लगाएगी और प्रदेश को हरा भरा बनाएगी। शर्मा शुक्रवार को टोंक के टोडारायसिंह में 'एक पेड़ मां के नाम' एवं 'हरियालो राजस्थान' के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में प्रकृति का विशेष स्थान है। हमारी परंपरा में पेड़, पहाड़ और जल स्रोतों की पूजा की जाती है। इस धरती पर भोलेनाथ का मंदिर, बीसलपुर बांध और हरियाली से युक्त पहाड़ियों का संगम इस भावना को साकार कर रहा है। मुख्यमंत्री ने

कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की अनूठी पहल 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर हमारी सरकार ने 'हरियालो राजस्थान' की शुरुआत की है। यह संकल्प धरती माँ के प्रति सम्मान का प्रतीक है। हमनें अरावली पर्वतमाला के संरक्षण और इसे हरा-भरा बनाने के लिए 250 करोड़ रुपये की हरित अरावली विकास परियोजना बनाई है। परियोजना के तहत इस मानसून में 19 अरावली जिलों के 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में वृक्षारोपण करवा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश के किसानों को पेयजल एवं सिंचाई के लिए जल उपलब्ध करवाने की दिशा में कई फैसले किए हैं। हमनें पूर्वी राजस्थान के किसानों के लिए रामजल सेतु लिंक परियोजना, शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौते को आगे बढ़ाया है। वहीं, पश्चिमी एवं दक्षिणी राजस्थान के लिए माही बांध को जवाई बांध से जोड़ने और अन्य जिलों के लिए ब्राह्मणी नदी को बीसलपुर बांध से जोड़ने का काम किया जा रहा है।

पूर्ववर्ती सरकार ने युवाओं के साथ किया धोखा

शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में पेपरलीक जैसी घटनाओं से किसानों और उनके युवा बेटों के सपनों पर कुठाराघात हुआ। वहीं, हमारी सरकार ने पेपरलीक के खिलाफ कार्रवाई के लिए एसआईटी गठित की और दोषियों को सलाखों के पीछे भेजा। हमारी सरकार एक भी दोषी को नहीं बख्शेगी। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ वर्ष में पूरी पारदर्शिता और समयबद्ध रूप से भर्ती परीक्षाएं आयोजित हुई और एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। हमारी सरकार ने पांच साल में 4 लाख सरकारी नौकरी के लक्ष्य की दिशा में हजारों युवाओं को समय पर नियुक्ति प्रदान करने के साथ ही भर्ती परीक्षाओं के लिए पूरे साल का कलैण्डर भी जारी किया है। शर्मा ने कहा कि जन सेवा की नीयत से किए गए काम धरातल पर दिख रहे हैं। हमारी सरकार ने पिछले डेढ़ साल में प्रदेश की सूरत बदलने का काम किया है और पूर्ववर्ती सरकार के 5 साल में किए गए कार्यों से ज्यादा काम किए हैं। उन्होंने कहा कि हमनें टोंक जिले के विकास के लिए दोनों वर्ष के बजट में प्रावधान किए है। 650 करोड़ रुपये से नसीराबाद से देवली तक सड़क को 4 लेन करवाने की डीपीआर के लिए निविदा आमंत्रित की जा चुकी है। इसके साथ ही 147 करोड़ रुपये से बनास नदी पर पुलिया निर्माण हेतु डीपीआर एवं 103 करोड़ रुपये से बीसलपुर परियोजना की दायीं व बायीं मुख्य नहर व विभिन्न माइनर प्रणालियों की मरम्मत व जीर्णोद्धार का काम शुरू किया है।

चांद के पार मंगल पर भी होगा अपना आशियाना, मानव बस्ती का रोडमैप तैयार, इसरो दे रहा सपनों को नई उड़ान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आने वाले 40 वर्षों के लिए बेहद महत्वाकांक्षी खाका तैयार किया है। इस रोडमैप में मंगल ग्रह पर 3डी प्रिंटेड घर बनाना, इंसानों को मंगल पर उतारना, चांद पर खनन करना और वहां इंसानी ठिकाना बनाने जैसी बड़ी योजनाएं शामिल हैं। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के मौके पर इसे अंतिम रूप दिया गया है। इसरो के रोडमैप के मुताबिक, 2047 तक चांद पर इंसानों के रहने लायक ठिकाना बनाया जाएगा। यहां खनिज और संसाधनों की खुदाई हो सकेगी। चांद की सतह पर चलने वाले मानवयुक्त वाहन काम करेंगे। चांद पर ही ईंधन भंडारण केंद्र बनाए जाएंगे, ताकि दूर ग्रहों की यात्राओं और चांद पर लंबे समय तक रुकने के लिए मदद मिल सके। इसरो ने लद्दाख के त्सो कर घाटी में हिमालयन आउटपोस्ट फार प्लैनेटरी एक्सप्लोरेशन (होप) की स्थापना की है। ये जगह समुद्र तल से 4530 मीटर की ऊंचाई पर है और यहां अत्यधिक ठंड, कम आक्सीजन और सूखा वातावरण चांद और मंगल जैसी परिस्थितियों का आभास कराते हैं। भविष्य के चंद्र और मंगल मिशनों के लिए जीवन-रक्षक प्रणालियों और तकनीकों का परीक्षण करने के लिए यहां पिछले दिनों 10 दिन का हाई एल्टीट्यूड एनालॉग मिशन चलाया। अंतरिक्ष मिशन पर जानेवालों को भविष्य में यहां उस माहौल के लिए तैयार किया जा सकेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2023 में अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए सरकार की दीर्घकालिक योजनाओं के बारे में बताया था। उन्होंने 2025 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने और 2040 तक चंद्रमा पर भारतीय अंतरिक्ष यात्री को उतारने का लक्ष्य दिया था। साथ ही प्रधानमंत्री ने इसरो के वैज्ञानिकों से मानवता के लाभ के लिए ब्रह्मांड के रहस्यों को जानने के लिए गहरे अंतरिक्ष की खोज की योजना बनाने के लिए भी कहा है। पिछले साल स्पेस एक्स के सीईओ एलन मस्क ने मंगल पर मानव बस्तियां बसाने के बारे में बड़ा दावा किया था।

अमेरिकी अपील अदालत का बड़ा फैसला, कहा- ट्रंप के अधिकांश टैरिफ कानूनी नहीं

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा वाशिंगटन

अमेरिका की एक अपील अदालत ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को एक बड़ा फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अधिकांश टैरिफ गैरकानूनी हैं। अदालत का यह फैसला उस नीति को बड़ा झटका है, जिसमें ट्रंप ने टैरिफ को अपनी अंतरराष्ट्रीय आर्थिक रणनीति का अहम हथियार बनाया था। हालांकि, अदालत ने कहा है कि ये टैरिफ 14 अक्तूबर तक लागू रहेंगे, ताकि ट्रंप प्रशासन के पास अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील करने का समय रहे। बता दें कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अलग-अलग देशों पर एक फरवरी से टैरिफ लगाया था। हालांकि, बाद में टैरिफ वसूलने की तारीखें आगे भी बढ़ाई गईं और कुछ देशों को छूट भी दी गई। दो अप्रैल को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रेसिप्रोकल टैरिफ की दरों का एलान करने खुद सामने आए थे और टैरिफ वसूले जाने वाले देशों की सूची के साथ उनकी तस्वीर लंबे समय तक सुर्खियों में भी रही। अपील अदालत के फैसले के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा, 'सभी टैरिफ अभी भी लागू हैं! आज एक बेहद पक्षपाती अपील अदालत ने गलती से कहा कि हमारे टैरिफ हटा दिए जाने चाहिए, लेकिन वे जानते हैं कि अंत में जीत अमेरिका की ही होगी। अगर ये टैरिफ कभी हट भी गए तो यह देश के लिए

एक बड़ी आपदा होगी। अमेरिका अब और भारी व्यापार घाटे और दूसरे देशों, चाहे वे दोस्त हों या दुश्मन की तरफ से लगाए गए अनुचित टैरिफ और अन्य व्यापार बाधाओं को बर्दाश्त नहीं करेगा। इससे हमारे उत्पादक, किसान और बाकी सभी कमजोर होते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में टैरिफ को विदेश नीति का आधार बनाया है, तथा इसका इस्तेमाल राजनीतिक दबाव बनाने और अमेरिका को माल निर्यात करने वाले देशों के साथ व्यापार समझौतों पर पुन बातचीत करने के लिए किया है। टैरिफ से ट्रंप प्रशासन को व्यापारिक साझेदारों से आर्थिक रियायतें हासिल करने का लाभ तो मिला, लेकिन वित्तीय बाजारों में अस्थिरता भी बढ़ी। अदालत ने अपने आदेश में कहा, कानून राष्ट्रपति को राष्ट्रीय आपातकाल के समय कई तरह की कार्रवाई की अनुमति देता है

देश को घुसपैठियों से मुक्त करने का अपना वादा निभाएगी भाजपाः अमित शाह

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा गुवाहाटी

असम दौरे पर गए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भाजपा देश को घुसपैठियों से मुक्त करने का अपना वादा निभाएगी। असम के पहले गैर-कांग्रेसी मुख्यमंत्री गोलाप बोरबोरा की जन्मशती पर गुवाहाटी में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के भाषण में घोषित केंद्र का उच्चस्तरीय जनसांख्यिकी मिशन देश के जनसांख्यिकीय स्वरूप का अध्ययन करने और घुसपैठियों की पहचान करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। उन्होंने कहा कि हमने असम से वादा किया था, भले ही हम 10 साल में इसे पूरा नहीं कर पाए हैं। लेकिन हम अपना वादा निभाएंगे। उन्होंने कहा कि असम और पूरे देश को अवैध विदेशियों से मुक्त करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि मैं उन लोगों में से हूं जो मानते हैं कि हमारे देश में एक भी घुसपैठिया नहीं रहना चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब 1978 में गोलाप बोरबोरा असम के पहले गैर-कांग्रेसी मुख्यमंत्री बने, तो यह असम के राजनीतिक इतिहास में एक बहुत बड़े बदलाव की शुरुआत थी। 1978 तक यहां कोई गैर-कांग्रेसी मुख्यमंत्री नहीं चुना गया था। फिर पहली बार, गोलाप बोरबोरा ने एक अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने कहा कि जब से इंदिरा गांधी ने देश की कमान संभाली है, उनके परिवार के

अलावा किसी अन्य व्यक्ति के योगदान को देश में मंच या सम्मान नहीं दिया गया है। इतने बड़े देश में, विविध संस्कृतियों के कई लोगों ने देश की प्रगति में योगदान दिया है, लेकिन उन्हें न तो सम्मान दिया गया और न ही उन्हें कोई मंच मिला। इस दौरान अमित शाह ने बताया कि कैसे बोरबोरा ने मंगलदई लोकसभा सीट पर उपचुनाव की आवश्यकता पड़ने पर मतदाता सूची को सही करने का अभियान चलाया था। शाह ने कहा कि उस दौर में जब कम्प्यूटरीकृत मतदाता सूची नहीं थी उस अभाव में भी, पूर्व सीएम बोरबोरा की सरकार ने 36,780 अवैध विदेशियों के नामों का पता लगाया था। मतदाता सूची के इस शुद्धिकरण को असम आंदोलन की शुरुआत माना जा सकता है। बता दें कि गोलाप बोरबोरा ने मार्च 1978 से सितंबर 1979 तक राज्य में जनता पार्टी की सरकार का नेतृत्व किया था।

सत्य और अहिंसा के आगे असत्य और हिंसा टिक ही नहीं सकतेः राहुल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि सत्य और अहिंसा के आगे असत्य और हिंसा टिक ही नहीं सकते। मारो और तोड़ो, जितना मारना-तोड़ना है, हम सत्य और संविधान की रक्षा करते रहेंगे। सत्यमेव जयते। उनकी यह टिप्पणी पटना में सत्तारूढ़ दल द्वारा 'मतदाता अधिकार यात्रा' के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए कथित तौर पर अभद्र भाषा के इस्तेमाल के विरोध में निकाले गए एक विरोध मार्च के दौरान भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प के बाद आई है। इससे पहले कांग्रेस महासचिव और संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल ने भाजपा पर पार्टी के सदाकत आश्रम मुख्यालय पर हमला और तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया। वेणुगोपाल ने 'ङ्क' पर एक पोस्ट में कहा, 'मतदाता अधिकार यात्रा की बढ़ती लोकप्रियता और उनके खिलाफ जनता की बढ़ती भावनाओं से बौखलाकर भाजपा ने एक बार फिर हमें डराने और धमकाने के लिए अपने गुंडों को छोड़ दिया है।' उन्होंने कहा, 'पटना स्थित हमारे बिहार प्रदेश कांग्रेस कार्यालय सदाकत आश्रम पर एक मौजूदा कैबिनेट मंत्री और अन्य भाजपा नेताओं के नेतृत्व में किया गया हमला कायरतापूर्ण कृत्य है। यह हमें स्ङ्क के नाम पर चल रही व्यापक वोट चोरी का पर्दाफाश करने से नहीं रोकेगा।' कांग्रेस महासचिव ने कहा कि भाजपा को अपने आसन्न पतन और बिहार में लोगों के बढ़ते गुस्से का आभास हो गया है। उसकी हताशा की कोई सीमा नहीं है।

क्या है मामला?

यह विवाद तब शुरू हुआ, जब एक कथित वीडियो में दरभंगा शहर में यात्रा के दौरान मंच से एक व्यक्ति को पीएम मोदी के खिलाफ हिंदी में अपशब्दों का इस्तेमाल करता हुआ दिखाई दिया। दरभंगा शहर से राहुल गांधी, उनकी बहन प्रियंका वाड्रा और राजद नेता तेजस्वी यादव बुधवार को मोटरसाइकिल पर मुजफ्फरपुर के लिए रवाना हुए थे।

जापान तकनीक, तो भारत टैलेंट का पावरहाउस', आर्थिक फोरम में प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा टोक्यो

दो दिवसीय जापान दौरे के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-जापान आर्थिक फोरम में शिरकत की। यहां उन्होंने कहा कि भारत और जापान में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। इससे पहले जापान में प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। पीएम मोदी के आगमन पर जापान में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों में गजब का उत्साह दिखा। भारत-जापान आर्थिक फोरम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना संबोधन जापानी भाषा के साथ शुरू किया। उन्होंने वहां की भाषा में लोगों का अभिवादन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जापान टेक्नोलॉजी में पावरहाउस है, तो वहीं भारत टैलेंट का पावरहाउस है। टेक्नोलॉजी और टैलेंट ही विकास का नेतृत्व कर सकते हैं। भारत और जापान में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, 'मैं आज सुबह ही टोक्यो पहुंचा हूं।

मुझे बहुत खुशी है कि मेरी यात्रा की शुरुआत बिजनेस जगत के दिग्गजों के साथ हो रही है। आप में से बहुत से लोग ऐसे हैं, जिनसे मेरा व्यक्तिगत परिचय रहा है, जब मैं गुजरात में था तब भी और जब मैं दिल्ली आ गई तब भी। भारत की विकास यात्रा में जापान हमेशा एक अहम पार्टनर रहा है। मेट्रो से लेकर मैन्युफैक्चरिंग तक, सेमीकंडक्टर से स्टार्टअप्स तक हर क्षेत्र में हमारी साझेदारी आपसी विश्वास का प्रतीक बनी हैं। जापानी कंपनियों ने भारत में 40 बिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है। मात्र पिछले 2 वर्षों में 30 बिलियन डॉलर का प्राइवेट इन्वेस्ट हुआ है।' पीएम मोदी ने कहा, 'पिछले 11 वर्षों में भारत के अभूतपूर्व परिवर्तन से आप सभी भलीभांति परिचित हैं। आज भारत में राजनीतिक स्थिरता है, आर्थिक स्थिरता है, नीति में में पारदर्शिता है, पूर्वानुमान की क्षमता है। आज भारत विश्व की सबसे तेज बढ़ने वाली अहम अर्थव्यवस्था है। भारत बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है।' उन्होंने कहा कि 2017 में हमने एक राष्ट्र, एक कर लागू किया था। अब और भी बड़े सुधार लाने के प्रयास चल रहे हैं। कुछ ही हफ्ते पहले हमारी संसद ने एक सरलीकृत आयकर प्रणाली को मंजूरी दी है। हालांकि, हमारे सुधार केवल कराधान से कहीं आगे तक जाते हैं। हमारे सुधार केवल कर प्रणाली तक सीमित नहीं हैं। हमने व्यापार करने में आसानी पर बल दिया है।

आतंकवाद के खिलाफ मानवता की जीत का स्वर्णिम अध्याय है ऑपरेशन सिंदूरः राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ मानवता की लड़ाई का एक स्वर्णिम अध्याय है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वदेशी आकाशतीर एयर डिफेंस और रिपोर्टिंग प्रणाली के निर्माण में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के योगदान की तारीफ की। आकाशतीर एयर डिफेंस सिस्टम ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। स्कोप एमिनेंस अवार्ड्स को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने साल 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की भूमिका पर बात की। राष्ट्रपति ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों ने राजस्व और लाभ सहित प्रमुख वित्तीय मानकों पर अच्छा प्रदर्शन किया है।

बाढ़ से भयंकर तबाही, डूब गया पंजाब, दिल्ली में बारिश ने तोड़ा रिकॉर्ड

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार देशभर में मानसून काफी सक्रिय है और कई जगहों पर यह कहर बरपा रहा है। बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से अनेक लोगों की मौतों की खबरें भी आ रही है। आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में पिछले 15 वर्षों में सबसे अधिक बारिश वाला अगस्त महीना दर्ज किया गया है। अब तक 399.8 मिमी बारिश दर्ज की गई है। आईएमडी के अनुसार, यह 2010 के बाद से सबसे अधिक बारिश वाला अगस्त महीना है।

पंजाब में बाढ़ से हालात लगातार बिगड़ते जा रहे

पंजाब में बाढ़ से प्रभावित जिलों में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। शुक्रवार को फिरोजपुर स्थित हुसैनीवाला में सात फीट तक पानी भरने से रिट्रीट सेरेमनी को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है।

फाजिल्का के बाढ़ प्रभावित 14 गांवों को जोड़ने वाले एक मात्र पुल के ऊपर डेढ़ फीट तक पानी पहुंच गया है। इससे पुल को बंद करना पड़ा है।

बाढ़ का पानी अजनाला तक पहुंचने लगा

अमृतसर में पिछले चार दिन से घिरे अजनाला कस्बे के हालात भी लगातार बिगड़ते जा रहे हैं, यहां बाढ़ का पानी अजनाला तक पहुंचने लगा है। ऐसे ही हालात तरनतारन और कपूरथला जिले के हैं। उधर, रावी दरिया में जलस्तर कम होने से गुरदासपुर और पठानकोट जिले के लोगों को कुछ राहत मिली है। यहां पानी अब धीरे-धीरे कम होने लगा है। हालांकि लोग अब भी फंसे हुए हैं। उधर, सेना, बीएसएफ, एनडीआरएफ के अलावा एसडीआरएफ की टीमें लगातार राहत व बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। सेना के 20 हेलिकॉप्टर भी राहत व बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। शुक्रवार को 7200 लोगों को सुरक्षित बचाया गया। इसी बीच मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत व बचाव कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कार्यों में और तेजी लाने को कहा है। उधर, पठानकोट के चक्की दरिया से बंद की गई वाहनों की आवाजाही शुक्रवार को भी शुरू नहीं हो पाई है। इस कारण पठानकोट-जालंधर नेशनल हाईवे छठे दिन भी बंद रहा। पंजाब सरकार ने अपने मंत्रियों की बाढ़-प्रभावित क्षेत्रों में ड्यूटी लगाई है। इसी क्रम में बाढ़ग्रस्त इलाकों में घूमते हुए दो मंत्रियों की अनौपचारिक बातचीत में स्वीडन व गोवा दौरे की चर्चा ने विवाद खड़ा कर दिया है। हुआ यह कि पिछले दिनों पीडब्ल्यूडी मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ, जलस्त्रोत मंत्री बरिंदर गोयल व जेल मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर बाढ़ग्रस्त हरिके पत्तन का एक मोटरबोट में सवार होकर दौरा कर रहे थे। मोटरबोट में मंत्री ईटीओ बोले-'जब मैं स्वीडन घूमने गया था तो वहां क्रूज में घूमा था। उसका क्या आनंद आया। क्रूज में रहने के लिए अच्छे होटल व तरह-तरह के प्रबंध थे।' जवाब में गोयल ने कहा-'ऐसे क्रूज गोवा में भी होते हैं।' इस वार्तालाप में मंत्री भुल्लर चुप ही नजर आए। उन्होंने दोनों मंत्रियों के संवाद का वीडियो फेसबुक पेज पर साझा कर दिया। जिसके बाद यह वायरल हो गया। कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने वीडियो को अपने 'एक्स' अकाउंट पर साझा कर दोनों मंत्रियों की खिंचाई की। हरियाणा में अंबाला स्थित टांगरी और यमुनानगर स्थित सोम नदी को उफान पर ला दिया है। अंबाला की तीन बरसाती नदियों ने कहर बरपाया। टांगरी के किनारे बसी करीब 45 कालोनियों सहित गांव गोला, हेमामाजरा में पानी घुस गया। एसडीआरएफ की टीमों ने 100 से अधिक बच्चों और परिवारों को सुरक्षित घरों से बाहर निकाला।

वरिष्ठ नागरिकों की तीर्थयात्रा लॉटरी निकली, 1690 होंगे लाभान्वित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

मिनी सचिवालय में शुक्रवार दोपहर कलेक्टर आर्तिका शुक्ला ने निशुल्क वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना की लॉटरी निकाली। देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त महेंद्र देवतवाल ने बताया कि जिले से 1690 वरिष्ठ नागरिकों का चयन हुआ है। इनमें से 1509 वरिष्ठ नागरिक एसी रेल से देश के 15 प्रमुख तीर्थ स्थलों की यात्रा करेंगे, जबकि 181 वरिष्ठ नागरिक हवाई मार्ग से नेपाल के पशुपतिनाथ काठमांडू जाएंगे। इस बार योजना में 2696 वरिष्ठ नागरिकों ने आवेदन किया था। चयन प्रक्रिया ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से हुई। पिछले साल जिले से कुल 1090 वरिष्ठ नागरिकों का चयन हुआ था, जबकि इस बार रेल से जाने वालों की संख्या में 600 की बढ़ोतरी की गई है। हवाई मार्ग से जाने वाले वरिष्ठ नागरिकों के कोटे में कोई बदलाव नहीं हुआ है। राज्य सरकार की ओर से इस वर्ष 50 हजार वरिष्ठ नागरिकों को रेल से और 6 हजार वरिष्ठ नागरिकों को हवाई जहाज से यात्रा कराने का प्रस्ताव है। रेल यात्रा में 15 प्रमुख तीर्थ स्थलों को शामिल किया गया है, जबकि हवाई यात्रा केवल नेपाल स्थित पशुपतिनाथ मंदिर के लिए रहेगी। लॉटरी में जिले से रेल यात्रा में पहले नंबर पर जुम्मीदेवी और हवाई यात्रा में पहले नंबर पर रीता गुप्ता का नाम आया। योजना के तहत इस साल की पहली ट्रेन 1 सितंबर को जयपुर से रामेश्वरम के लिए रवाना होगी। इसमें खैरथल, जयपुर, कोटपूतली, सवाईमाधोपुर और कोटा से लगभग 800 वरिष्ठ नागरिक शामिल होंगे। चयनित वरिष्ठ नागरिकों को यात्रा से पूर्व उनके मोबाइल पर सूचना दी जाएगी। साथ ही उन्हें आवेदन के समय दिए गए दस्तावेज यात्रा के समय साथ लाने होंगे। यह योजना वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में धार्मिक और सांस्कृतिक अनुभव जोड़ने के साथ-साथ उन्हें जीवन के संध्या काल में विशेष सम्मान भी दिला रही है।

पुलिस बस की टक्कर से घायल महिला की मौत, ग्रामीणों में आक्रोश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

प्रतापगढ़ की सरसो देवी (52) पत्नी रामनारायण गुर्जर की गुरुवार को मौत हो गई। चार दिन पहले जल महल के पास सड़क पार करते समय उन्हें पुलिस बस ने टक्कर मार दी थी। महिला देवनारायण पदयात्रा में शामिल होकर आई थी। गंभीर हालत में एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पदयात्रियों का आरोप है कि बस चालक शराब के नशे में था और उसके मुंह से शराब की दुर्गंध आ रही थी। बस में सवार पुलिसकर्मी हादसे के बाद दूसरी बस में चले गए। ग्रामीणों ने बताया कि न तो ड्राइवर का मेडिकल कराया गया और न ही मामला दर्ज हुआ। ग्रामीणों ने सीएम के नाम ज्ञापन सौंपकर परिजनों को एक करोड़ मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को नौकरी तथा चालक पर नशे में वाहन चलाकर हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। परिवार की आर्थिक स्थिति भी कमजोर बताई जा रही है। घटना को लेकर ग्रामीणों में गहरा रोष है।

सरकारी कार्यालयों की छतों पर लगेंगे सोलर प्लांट, हर माह 38 लाख यूनिट बिजली खर्च बचेगा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

राजस्थान राज्य एनर्जी कारपोरेशन लिमिटेड (आरआरईसीएल) ने पुराने अलवर जिले में सरकारी भवनों की छतों पर सौर ऊर्जा प्लांट लगाने की योजना शुरू कर दी है। इसके तहत बहरोड़, बानसूर, अलवर और खैरथल-तिजारा क्षेत्र की 1123 सरकारी बिल्डिंगों पर सोलर प्लांट स्थापित किए जाएंगे। योजना पर 4.67 करोड़ रुपये खर्च होंगे और अगले दो वर्षों में यह काम पूरा कर लिया जाएगा। इस प्रोजेक्ट का काम जयपुर की केसीसी इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड को सौंपा गया है, जो अगले 25 साल तक इन प्लांटों का संचालन और रखरखाव भी करेगी। जलदाय विभाग के पंप हाउस, नगर परिषद की स्ट्रीट लाइटें, अस्पताल, एसडीएम व तहसीलदार कार्यालय, बीडीओ, सब-रजिस्ट्रार, बीडा, रीको, आरएचबी और सरकारी स्कूलों की छतों पर ये प्लांट लगाए जाएंगे। योजना के तहत करीब 10 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा तैयार होगी। खैरथल-तिजारा जिले में ही 3833 सरकारी विद्युत कनेक्शन हैं, जिन पर हर महीने लगभग 6 लाख यूनिट बिजली की खपत होती है। इस पर सरकार को करीब 48 लाख रुपये का बिल चुकाना पड़ता है। वहीं, पंप हाउस और स्ट्रीट लाइटों पर लगभग 32 लाख यूनिट बिजली खर्च होती है। सोलर प्लांट लगने के बाद करीब 38 लाख यूनिट बिजली का खर्च हर महीने बचेगा। ऊर्जा विभाग के अनुसार यह कदम सरकारी खर्च में भारी बचत के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

बानसूर में होटल पर बदमाशों का हमला, तोड़फोड़ कर 30 हजार की मंथली मांगी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बानसूर

कस्बे के हरसौरा रोड स्थित एक होटल पर शुक्रवार दोपहर बदमाशों ने हमला कर जमकर तोड़फोड़ की। होटल मालिक अशोक कुमार यादव ने बताया कि करीब एक बजे 8 से 10 युवक बाइकों पर सवार होकर आए और आते ही होटल में घुसकर काउंटर सहित सामान तोड़ दिया। होटल मालिक के अनुसार बदमाशों ने धमकी दी कि होटल चलाना है तो हर महीने 30 हजार रुपये देने होंगे। तीन दिन पहले भी वे मंथली मांगने आए थे। घटना के दौरान लाठी-डंडों से तोड़फोड़ कर सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर, एलईडी, फ्रिज को नुकसान पहुंचाया और गल्ले में रखे करीब 7 हजार रुपये लेकर फरार हो गए। बदमाशों के पास हथियार भी थे, जिससे होटल कर्मचारी डरकर कमरों में छिप गए और अंदर से कूंडी लगाकर अपनी जान बचाई। घटना के बाद पुलिस को शिकायत दी गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू करने की बात कही है। इस घटना से कस्बे में दहशत का माहौल है और व्यापारी वर्ग ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने की मांग उठाई है।

जिला मुख्यालय को लेकर सियासत गरमाई, पूर्व विधायक बलजीत का विधायक जसवंत पर पलटवार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

कोटपूतली में जमीनें खरीदने के कारण जिला मुख्यालय वहीं बनाए जाने के आरोप पर शुक्रवार को पूर्व विधायक बलजीत ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा विधायक डॉ. जसवंत यादव खुद गैर खातेदारी जमीनों को खातेदारी में बदलवाने का काम करा रहे हैं। उनकी सरपरस्ती में बिचपुरी की 200 करोड़ की जमीन सहित नासरपुर, ढिंढोर और निंभोर क्षेत्र की जमीनें हड़पी गईं। पूर्व विधायक ने कहा कि बहरोड़ को जिला बनाने का निर्णय कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुआ था, लेकिन मौजूदा विधायक की नाकामी के कारण बहरोड़ में आज तक एक भी जिला स्तरीय कार्यालय शुरू नहीं हो सका। भाजपा सरकार ने कोटपूतली में कार्यालय खोलने का फैसला किया और अब जनता को भ्रमित करने के लिए पूर्व सरकार पर आरोप लगाए जा रहे हैं। बलजीत ने कहा कि बहरोड़ क्षेत्र में चोरी, लूटपाट और मारपीट की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। अवैध शराब की दुकानें पुलिस संरक्षण में खुलेआम चल रही हैं। जिला अस्पताल में चिकित्सकों की भारी कमी है। इन गंभीर समस्याओं का समाधान कराने के बजाय विधायक पुत्र मोह में डूबे हुए हैं और उन्हें अलोकतांत्रिक तरीके से विधायक घोषित कराने की कोशिश कर रहे हैं। पूर्व विधायक ने चेतावनी दी कि यदि हालात नहीं सुधरे तो इसके खिलाफ जल्द ही जन आंदोलन खड़ा किया जाएगा। इससे साफ है कि जिला मुख्यालय को लेकर कोटपूतली और बहरोड़ की राजनीति में टकराव और तेज होता जा रहा है।

अलवर को मिला बड़ा खेल तोहफ़ा, 10 करोड़ का एस्ट्रोटर्फ और हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनेगा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर जिले में खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी सौगात की घोषणा हुई है। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को प्रताप ऑडिटोरियम में आयोजित 'अलवर सांसद खेल उत्सव' के मंच से कहा कि अलवर में 10 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक एस्ट्रोटर्फ का निर्माण किया जाएगा। साथ ही हॉकी के लिए यहां सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भी स्थापित होगा, जिसके लिए एक और एस्ट्रोटर्फ बनाया जाएगा। इस घोषणा से अलवर के खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में भारी उत्साह देखने को मिला।

मांडविया ने कहा कि पिछले साल आयोजित 'अलवर सांसद खेल महोत्सव' की गूंज दिल्ली तक सुनाई दी थी। यह आयोजन साबित करता है कि अलवर के युवाओं में खेलों के प्रति गहरा लगाव है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'फिट इंडिया-हिट इंडिया' का नारा दिया है और उसी दिशा में यह कदम उठाया गया है। मंत्री ने युवाओं को संदेश दिया कि फिट रहने के लिए अपने खाने-पीने की आदतों में बदलाव करें और तेल की खपत में 10 प्रतिशत तक की कमी लाएं। साथ ही उन्होंने 'संडे ऑन साइकिल' जैसे अभियानों से जुड़ने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि 31 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर छोटे-छोटे ग्रुप बनाकर 10 किलोमीटर की साइक्लिंग करनी चाहिए ताकि फिटनेस का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे। उन्होंने महात्मा गांधी को याद करते हुए कहा कि गांधीजी का जीवन ही संदेश था। वे चरखे के जरिए जन आंदोलन खड़ा करते थे और फिटनेस पर जोर देते थे। आज नरेंद्र मोदी उसी राह पर आगे बढ़ते हुए फिट इंडिया और खेलो इंडिया जैसे अभियानों को साकार कर रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री मांडविया ने कहा कि वे संसद में साइकिल लेकर इसलिए जाते थे क्योंकि उसमें उन्हें फिटनेस और प्रदूषण नियंत्रण दोनों का संदेश मिलता था। उन्होंने कहा कि अलवर में खेल मंत्रालय की टीम आकर समर कैंप आयोजित करेगी, जहां से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को चुना जाएगा और भारत सरकार के खर्च पर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दिया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और वन मंत्री संजय शर्मा भी इस मौके पर मौजूद रहे। मांडविया ने कहा कि भूपेंद्र यादव के आग्रह पर ही अलवर में एस्ट्रोटर्फ की योजना पर काम शुरू हुआ है। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि खिलाड़ियों की उपलब्धियों के अनुसार हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भी यहीं स्थापित होगा।

कार्यक्रम में भूपेंद्र यादव ने सांसद खेल उत्सव की रूपरेखा साझा की और बताया कि यह आयोजन ग्रामीण स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मंच प्रदान करेगा। वन मंत्री संजय शर्मा ने भी कहा कि अलवर के उभरते खिलाड़ियों के लिए बेहतर मैदान और माहौल उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मांडविया ने कहा कि मोदी सरकार ने अगले 10 साल में भारत में ओलिंपिक आयोजन का लक्ष्य रखा है। इसके लिए देश को 'स्पोर्ट्स नेशन' बनाने की दिशा में हर संभव काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय एथलीटों में टैलेंट की कोई कमी नहीं है। जरूरत है तो उन्हें सही कोचिंग, बेहतर स्टेडियम और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक्सपोजर देने की।

उन्होंने कहा कि अलवर के युवाओं का खेलों के प्रति गहरा लगाव देखकर स्पष्ट है कि यह जिला आने वाले समय में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी देगा। यहां के खिलाड़ियों को अब बड़े स्तर पर अवसर मिलेंगे और बेहतर सुविधाएं मिलने से उनका मनोबल और ऊंचा होगा।

इस घोषणा के बाद खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह है। स्थानीय खेल संघों और कोचों का मानना है कि एस्ट्रोटर्फ और हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनने से अलवर खेल मानचित्र पर और अधिक सशक्त पहचान बनाएगा। यहां से निकली प्रतिभाएं देश और प्रदेश का नाम रोशन करेंगी।

धूमधाम से भरा छठ माता का मेला, कुश्ती दंगल में दिखा पहलवानों का दम

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा रामगढ़

उपखंड क्षेत्र के ग्राम पुठी में शुक्रवार को छठ माता का विशाल मेला बड़ी धूमधाम से भरा । मेले के साथ कुश्ती दंगल का आयोजन भी हुआ, जिसमें दूर-दराज से पहुंचे पहलवानों ने अपना दमखम दिखाया। इस मौके पर भारी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी और माता के मंदिर पर श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह थे, जिन्होंने विधिविधान से कुश्ती दंगल का उद्घाटन किया। विशिष्ट अतिथियों में पूर्व सरपंच एडवोकेट देवेंद्र दत्ता, भाजपा नेता, पूर्व सरपंच कृष्ण यादव, एडवोकेट लाखन दत्त शर्मा, पूर्व बार अध्यक्ष, भाजपा मंडल अध्यक्ष भगवान सैनी सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। मेला कमेटी ने सभी अतिथियों का साफा बांधकर व पटा डालकर स्वागत किया। इस अवसर पर मेला कमेटी से किशोरी लाल यादव, दिनेश यादव, कमल पार्षद, अजय पार्षद, रघुवीर जैन पार्षद, महेश साहू, देवीराम सैनी, जगमोहन सोनी, अलावड़ा एडवोकेट मुकेश सैनी, रमेश खींची, पत्रकार अमित भारद्वाज, राधेश्याम गहरा, योगेश वर्मा, महेंद्र गोपालिया, देव पटेल व मुकेश शर्मा मौजूद रहे। कुश्ती दंगल का संचालन बाबूलाल प्रजापत ने किया, जबकि रेफरी की भूमिका चंद्रपाल चौधरी और फजरू खान ने निभाई। मेले को देखने के लिए आसपास के दर्जनों गांवों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। वहीं, कई सामाजिक संगठनों ने ग्रामीणों के लिए शीतल जल सेवा की प्याऊ भी लगाई। रामगढ़ पुलिस प्रशासन ने मेला स्थल और कुश्ती मैदान पर पुख्ता इंतजाम किए, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

उद्यमियों की समस्याओं के समाधान हेतु विभाग समन्वय शिविर का सफल आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

लघु उद्योग भारती अलवर और संयुक्त व्यापार महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को रिवाज रिजॉर्ट, अलवर में विभाग समन्वय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन जिला कलेक्टर आर्तिका शुक्ला ने किया। शिविर में 175 से अधिक उद्यमियों व व्यापारियों ने भाग लिया। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए 16 समस्याओं का मौके पर समाधान किया तथा कई मामलों के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया। लघु उद्योग भारती अलवर के सचिव पंकज तिवारी ने बताया कि शिविर में जिला उद्योग केंद्र, रीको, राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, सीजीएसटी, जीएसटी, पुलिस, कारखाना एवं बॉयलर निरीक्षण विभाग, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, नगर निगम, श्रम विभाग, अग्निशमन विभाग, परिवहन विभाग, स्वास्थ्य विभाग और बिजली विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया व पंजाब नेशनल बैंक के वरिष्ठ प्रबंधकों ने भी भाग लिया और उद्यमियों को बैंकिंग सुविधाओं व रियायती लोन योजनाओं की जानकारी दी। लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष शशांक झालानी ने कहा कि विभागों ने समस्याओं का समाधान करने के साथ-साथ सरकारी योजनाओं और एमनेस्टी स्कीम्स की जानकारी भी प्रदान की, जिससे उद्यमियों को भविष्य में विभागीय कार्यवाही संबंधी मार्गदर्शन मिला। संयुक्त व्यापार महासंघ के अध्यक्ष हरमीत सिंह ने कहा कि यह पहल तभी सार्थक होगी जब विभागों और उद्योगों के बीच सतत समन्वय बना रहे और समस्याओं का समय पर समाधान होता रहे। जिला कलेक्टर आर्तिका शुक्ला ने कहा कि इस तरह के शिविर हर 3-4 माह में नियमित रूप से आयोजित किए जाने चाहिए। उन्होंने बताया कि लंबे समय से चर्चा में रहा "सिंगल विंडो सिस्टम" इस शिविर में व्यवहारिक रूप में साकार हुआ। अक्सर झिझक, समयाभाव और जानकारी के अभाव के कारण कार्य अटक जाते हैं, लेकिन ऐसे शिविरों से सीधे विभागों से संवाद कर समाधान संभव होता है। संयोजक संदीप मुद्गल ने कहा कि उद्यमियों को विभागों के चक्कर लगाने से राहत मिली है और अब समाधान की राह अधिक आसान होगी। प्रतिभागियों ने इसे ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि यदि उद्योग बढ़ेंगे तो राष्ट्र भी प्रगति करेगा। कुल मिलाकर यह आयोजन उद्यमियों और व्यापारियों के लिए उपयोगी सिद्ध हुआ और भविष्य में उद्योग जगत को नई दिशा देने वाला साबित होगा।

खंभों की शोभा बढ़ा रहीं खराब लाइटें, गलियों में पसरा अंधेरा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

नगर पालिका द्वारा गलियों और मुख्य मार्गों पर रोशनी व्यवस्था के लिए लगाई गई लाइटें अब अंधेरे में डूबी हुई हैं। हालात यह हैं कि बिजली के खंभों पर लगी अधिकांश लाइटें खराब हो चुकी हैं और सिर्फ शोभा की वस्तु बनकर रह गई हैं। चार साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं, जिससे चोरी और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों का खतरा बढ़ गया है। वार्ड नंबर 15 निवासी प्रकाश चंद्र प्रजापत का कहना है कि उपकर शुल्क हर माह बिलों में जमा कराया जाता है, लेकिन गलियां आज भी अंधेरे में डूबी रहती हैं। लिखित शिकायत देने के बावजूद कोई सुधार नहीं हुआ। वहीं वार्ड 26 के अनिल बसवाल ने बताया कि खटीक मोहल्ले में अधिकांश लाइटें खराब हैं। बरसात में जलभराव और कीचड़ के बीच अंधेरे के कारण लोगों की परेशानी दोगुनी हो जाती है स्थानीय नागरिकों ने बताया कि जब नगर पालिका ने लाइटें लगवाई थीं तो शुरुआती दिनों में वे जलीं, लेकिन एक माह बाद ही अधिकांश बंद हो गईं। लाखों रुपये खर्च होने के बाद भी लोगों को रोशनी का लाभ नहीं मिल रहा है। अंधेरे के कारण ग्रामीणों और यात्रियों को रात्रि में आवागमन में कठिनाई होती है। जागरूक नागरिकों ने मांग की है कि नगर पालिका तुरंत खराब लाइटों की मरम्मत कराए। इस पर नगर पालिका विद्युत प्रभारी हेमंत जांगिड़ का कहना है कि उपकरणों के अभाव में कई लाइटें ठीक नहीं हो पा रही हैं, हालांकि शिकायत मिलने पर टीम भेजी जाती है।

अलवर में साधु की पिटाई का मामला, दोनों पक्षों ने दर्ज कराई FIR, जांच डीएसपी राजगढ़ को सौंपी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

मालाखेड़ा क्षेत्र में गुरुवार को एक साधु की बेल्ट और डंडों से बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया। आरोप है कि साधु ने दो युवकों से अश्लील हरकत की, जिसके बाद भीड़ ने उसे घेरकर करीब 10 मिनट तक पीटा। घटना का वीडियो भी सामने आया है। देर रात एसपी के निर्देश पर टहला थाने में साधु के खिलाफ पॉक्सो और एससी-एसटी एक्ट सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ। वहीं साधु ने भी मॉब लिंचिंग की रिपोर्ट दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार बलदेवगढ़ आश्रम में रहने वाला साधु भंवरानंद गुरुवार को पांडूपोल मेले में आया था।

गड्ढों में गुम सड़कें और बीच राह मवेशी, हादसों व जाम से जूझ रहा बहरोड़

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

विकास के दावों के बीच हकीकत यह है कि शहर की सड़कें पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं। दो किलोमीटर की मेन रोड पर डामर उखड़ चुका है, जहां बारिश में कीचड़ और सूखे मौसम में धूल के गुबार उड़ते हैं। हालत यह है कि पैदल चलना भी खतरे से खाली नहीं। गड्ढों और रोड़ियों के बीच वाहन चालक रोजाना हादसों से जूझ रहे हैं। नारनौल रोड पर निर्माण कार्य की धीमी गति से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। अस्पताल रोड, पुराना व नया बस स्टैंड, नारनौल मोड़ और मुख्य बाजार पर दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। वहीं, शहर की सड़कों पर खुलेआम मवेशियों के झुंड घूमते रहते हैं। नगर परिषद ने 9.90 लाख रुपये में मवेशी पकड़ने का ठेका दिया, लेकिन फर्म एक महीने से काम शुरू ही नहीं कर पाई। स्थानीय लोग बताते हैं कि नेताओं और अधिकारियों को समस्याओं की कोई परवाह नहीं है। एडवोकेट विनोद कुमार यादव, हुकमचंद शर्मा, व्यापारी दिनेश गुप्ता, राधेश्याम अग्रवाल, श्याम बाबू और सत्यपाल यादव का कहना है कि नेता निवेश और विकास की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, जबकि शहर में बुनियादी सुविधाएं तक नहीं हैं। गांवों की स्थिति तो और बदतर है। गड्ढे भरने, सड़क बनवाने और मवेशियों को हटाने तक के लिए सिफारिश करनी पड़ती है, लेकिन अफसर सुनते नहीं और जनप्रतिनिधियों में इतनी हिम्मत नहीं कि अधिकारियों से काम करवा सकें। लोगों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा। हादसे और जाम आम दिनचर्या बन चुके हैं। नगर परिषद आयुक्त नूर मोहम्मद ने बताया कि शहर की मुख्य सड़क आरएसआरडीसी के अधीन है, जहां जल निकासी का काम कराया जा रहा है। आरएसआरडीसी ही सड़क का निर्माण करेगा। वहीं, कलेक्टर ने गौशाला संचालकों से बात कर पशुओं को जल्द वहां छोड़े जाने की बात कही है। सफाई व्यवस्था को भी गति देने का दावा किया गया है।

सी.एल. मेमोरियल स्कूल, तिजारा की छात्रा साक्षी यादव को राज्य स्तरीय हिंदी दिवस समारोह में सम्मानित किया जाएगा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

सी.एल. मेमोरियल हाई स्कूल, तिजारा की छात्रा साक्षी यादव ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर द्वारा आयोजित सीनियर सेकेंडरी परीक्षा 2025 में हिंदी विषय (ऐच्छिक/अनिवार्य) में पूरे राज्य में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।साक्षी यादव को उनकी इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर राज्य स्तरीय हिंदी दिवस समारोह में सम्मानित किया जाएगा। यह कार्यक्रम आगामी 14 सितम्बर 2025 को सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज, जयपुर के मुख्य सभागार में आयोजित होगा। इस अवसर

पर माननीय मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह भाषा एवं पुस्तकालय विभाग राजस्थान द्वारा यह सम्मान समारोह उन विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया जा रहा है जिन्होंने राज्य स्तर पर हिंदी विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं। इस सम्मान से न केवल विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन होगा बल्कि अन्य छात्रों को भी हिंदी भाषा अध्ययन में प्रेरणा मिलेगी।

पाठ्य सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे खिले

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा टपूकड़ा

औद्योगिक क्षेत्र खुशखेड़ा स्थित पैरामाउंट कम्युनिकेशन लिमिटेड ने सामाजिक सरोकार के तहत सीनियर सेकेंडरी स्कूल कारोली में कक्षा 1 से 12वीं तक 650 छात्रों को पाठ्य सामग्री वितरित की पाठ्य सामग्री मिलने से बच्चों में हर्ष की लहर दिखाई दी इस मौके पर कंपनी की तरफ से प्लांट हेड पी पाल व पवन यादव व विद्यालय की तरफ से प्रधानाचार्य व समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

प्राचार्य नीलम यादव का स्वागत सम्मान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा टपूकड़ा

भारत विकास परिषद शाखा टपूकड़ा द्वारा राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की प्रधानाचार्य नीलम यादव का राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार पदक के लिए नामांकित होने पर विद्यालय में पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। परिषद के जिलाध्यक्ष डॉ. जयप्रकाश ने बताया ये कस्बे के लिए बड़े गर्व की बात है जो ऐसी

महान शिक्षिका, योग शिक्षिका विद्यालय की प्रधानाचार्य है। जिन्हें शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर स्वयं राष्ट्रपति 5 सितंबर को दिल्ली में सम्मानित करेंगी। इस अवसर पर भा. वि. प. के अध्यक्ष पवन गुप्ता पूर्व अध्यक्ष नरेश जांगिड़ अशोक गर्ग रामकिशन सहित विद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

अवैध खनन को लेकर अतिरिक्त जिला कलक्टर ने ली समीक्षा बैठक

एसआईटी की बैठक का हुआ आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला सचिवालय खैरथल-तिजारा में अवैध खनन के संबंध में एसआईटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में खनन अभियंता मनोज शर्मा, डिप्टी भिवाड़ी शीशराम, आयुक्त नगर परिषद मुकेश शर्मा, खैरथल पुलिस, परिवहन के अधिकारी मौजूद रहे। अति. जिला कलक्टर ने अभियान के दौरान पुलिस वन एवं खनिज विभाग द्वारा की गई कार्यवाही की समीक्षा की। जिस पर खनन अभियंता ने बताया कि संबंधित विभागों द्वारा अवैध खनन,निर्गमन, भंडारण के विरुद्ध इस वर्ष अब तक 4 प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई। इस दौरान 3 वाहन जब्त एवं कार्यवाही में 1 एफआईआर एवं 10.63 लाख की पेनल्टी लगाई। इसी प्रकार खैरथल पुलिस द्वारा इस वर्ष 15 प्रकरणों में 19 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर 18 वाहन एवं मशीन जप्त की गई। इसी प्रकार भिवाड़ी पुलिस द्वारा इस वर्ष दो प्रकरणों में दो आरोपियों की गिरफ्तार कर एक वाहन जप्त किया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने जिले के संवेदनशील आवेदन स्थलों की सूची की जानकारी प्राप्त कर इन क्षेत्रों में प्रभावी मॉनिटरिंग कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वैध खनन को बढ़ावा देने साथ ही अवैध खनन को रोकने पर जोर देते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश। उन्होंने किशनगढ़ बास क्षेत्र के मॉचा, इस्माइलपुर, ओदरा एंव मुंडावर के श्योपुर, भेडण्टा सागर जैसे संवेदनशील क्षेत्र पर प्रभावी निगरानी रख कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

भिवाड़ी मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन चुनाव

अध्यक्ष पद के लिए 6 उम्मीदवार मैदान में, 15 सितंबर को मतदान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

भिवाड़ी मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन (बीएमए) के आगामी चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए छह उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है। शुक्रवार को जसवीर चौधरी, जी एल स्वामी, मुकेश जैन और भारत भूषण बंसल ने अपना पर्चा भरा, जबकि डीवीएस राघव और आरसी छाबड़ा ने गुरुवार को नामांकन किया। इस चुनाव में बढ़ती रुचि और प्रतिस्पर्धा बीएमए के सदस्यों में उत्साह को दर्शाती है।नामांकन प्रक्रिया 28 और 29 अगस्त को संपन्न हुई। शुक्रवार शाम 5 बजे तक नामांकन पत्र स्वीकार किए गए। उम्मीदवारों को 2 सितंबर तक अपने नामांकन वापस लेने का अवसर है। उसी दिन शाम 5 बजे अंतिम उम्मीदवार सूची बीएमए नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित की जाएगी। यह सूची चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करेगी।चुनाव का मुख्य दिन 15 सितंबर निर्धारित किया गया है, जब मतदान सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। मतदान समाप्त होने के बाद उसी दिन मतगणना की जाएगी, और परिणामों की घोषणा भी होगी। इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए इलेक्शन कमेटी के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल के नेतृत्व में डॉ. राकेश सोनी और राजेश यादव को इलेक्शन ऑफिसर नियुक्त किया गया है। मतदान के दिन भिवाड़ी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालेगी, ताकि शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित हो।बीएमए का यह चुनाव स्थानीय उद्योग जगत के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह संगठन भिवाड़ी के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के हितों का प्रतिनिधित्व करता है। अध्यक्ष पद के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा से उद्योगपतियों और सदस्यों में उत्सुकता बढ़ी है। सभी उम्मीदवारों ने अपने-अपने विजन और योजनाओं को सदस्यों के सामने प्रस्तुत करने की तैयारी शुरू कर दी है। बीएमए के सदस्यों को उम्मीद है कि नया नेतृत्व संगठन को नई दिशा देगा और क्षेत्र के औद्योगिक विकास को गति प्रदान करेगा।चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए कमेटी द्वारा सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। भिवाड़ी के उद्योगपति और बीएमए सदस्य 15 सितंबर को होने वाले इस महत्वपूर्ण मतदान का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

तिजारा विकास मंच ने मनाया राष्ट्रीय खेल दिवस एवं सम्मान समारोह

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

तिजारा विकास मंच ने शुक्रवार को मेजर ध्यानचंद की जयंती पर राष्ट्रीय खेल दिवस एवं मंच की संरक्षिका नीलम यादव का सम्मान समारोह सरस्वती माध्यमिक विद्यालय मेंआयोजित किया कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अतिथियों ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया उसके उपरांत विभिन्न विद्यालयों के बालक बालिकाओं की खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें बालकों ने रास्साकशी चम्मच दौड़ लंबी कूद आदि स्पर्धा में भाग लिया सम्मान समारोह में मंच के विभिन्न पदाधिकारियो ने अपने विचार रखें संस्थापक आर्य जयसिंह मन्नालाल ने कहा कि आज बालकों को खेल मैदान से जुड़ने की आवश्यकता है ताकि उनका शारीरिक में बौद्धिक विकास दोनों हो सके बालक मोबाइल छोड़कर किसी न किसी खेल में अवश्य भाग ले मुकेश सैनी ने अपने उद्बोधन में कहा की राजस्थान की जी के में तिजारा का नाम नीलम जी के करण जुड़ गया है वरिष्ठ उपाध्यक्ष नेत्रपाल सिंह यादव ने नीलम यादव के द्वारा प्राप्त की गई राष्ट्रीय उपलब्धि के लिए उनका विशेष अभिनंदन पत्र पढ़ा और उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं की इस अवसर पर राष्ट्रीय हॉकी टीम में चयनित बालिकाओं खुशी यादव व अदिति यादव बीरमपुर का भी सम्मान किया गया उन बालिकाओं ने सभी बालकों को अपने जीवन में खेलों से जुड़ने की प्रेरणा दी विजेता बालकों को पुरस्कार व प्रमाण पत्र वितरित किए गए नीलम यादव ने अपने उद्बोधन में कहा की मेरे सफलता में मुख्य योगदान योग का है योग के कारण ही मैं पूरे समय ऊर्जावान रहती हूं और अपने कार्यों को समय पर कर पाती हूं कार्यक्रम का संचालन धर्मवीर सैनी ने किया इस अवसर पर न्यू पैरामाउंट कोचिंग संस्थान के सुनील यादव, प्रधानाचार्य रेखा यादव राकेश वर्मा चंद्रेश सैनी अमित सोनी एडवोकेट उमेश सैनी सनी सैनी मुकेश सैनी रक्तबीर रामनिवास यादव से मिला सैनी मा विद्यालय से जगदीश चौहान अनीता यादव पवन यादव प्रवेश यादव आदि उपस्थित रहे।

राजकीय कन्या महाविद्यालय में खेल दिवस पर खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा टपूकड़ा

राजकीय कन्या महाविद्यालय टपूकड़ा में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जयंती के उपलक्ष्य में खेल विभाग व राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में फिट इंडिया मूवमेंट के तहत विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई द्य महाविद्यालय के प्राचार्य मनोज चोपड़ा ने छात्राओं को विद्यार्थी जीवन में खेलों के महत्व के बारे में बताते हुए खेल प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया द्य महाविद्यालय में कबड्डी ,खो - खो, रस्साकसी, 400 मीटर दौड़, रिले दौड़ आदि खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमें महाविद्यालय के संकाय सदस्यों सहित महाविद्यालय में उपस्थित सभी छात्राओं ने उत्साह पूर्वक बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया द्य म्यूजिकल चेयर गेम्स में बीए प्रथम सेमेस्टर की छात्राओं-मधु, अंजलि, शीतल, काजल ,मुस्कान गर्ग ,खामोश ,खुशी राजपूत व गुलशन बानो ने भाग लिया द्य जिसमें प्रथम स्थान पर खामोश, द्वितीय स्थान पर खुशी राजपूत व तृतीय स्थान पर गुलशन बानो रही द्य वहीं खो खो प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मुस्कान गर्ग ने, द्वितीय स्थान अंजलि व तृतीय स्थान शीतल ने प्राप्त किया द्य खेल प्रभारी प्रो.मंजू गुर्जर व एनएसएस प्रभारी डॉ. प्रियंका गुप्ता का विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं को सफलतापूर्वक आयोजन कराने में विशिष्ट योगदान रहा द्य

STAR HOSPITAL

FREE OPD(प्रतिदिन):
सुबह 08 बजे से 02 बजे तक और शाम 05 बजे से 07 बजे तक

Dr. Vineet Yadav
Managing Director

ESIC ECHS RGHS चिरंजीवी योजना के साथ
निःशुल्क इलाज की सुविधा एवं 30+ TPA'S के साथ कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध है
24/7 निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध है
मरीजों के लिए निःशुल्क भोजन सेवा उपलब्ध है

मल्टीस्पेशलिटी सुविधाएं- 24/7
सामान्य रोग विभाग

स्त्री एवं प्रसूति विभाग

हड्डी रोग विभाग

जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी

बाल एवं शिशु रोग विभाग

मुख एवं दंत रोग विभाग

सुपर स्पेशलिटी सुविधाएं- 24/7
हृदय रोग विभाग

मस्तिष्क एवं स्पाइन सर्जरी

मूत्र रोग विभाग

कैजुअल्टी डिपार्टमेंट | सेमी प्राइवेट रूम | सी. टी. स्कैन
प्राइवेट रूम | मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर | लेबर रूम
एन.आई.सी.यू & पी.आई.सी.यू | आई.सी.यू. & एच.डी.यू. | फिजियोथेरेपी
अल्ट्रासाउंड | नेत्र रोग विभाग | डायलिसिस
फार्मेसी 24X7 | एम्बुलेंस 24X7 | ब्लड बैंक 24X7 | इन हाउस पैथलैब

अधिक जानकारी या अपॉइनमेंट लेने के लिए संपर्क करें: 7300484848 | 7300494949
स्टार हॉस्पिटल, वसुंधरा नगर, बस स्टैंड के सामने, भिवाड़ी(301019)

VIJAY HOSPITAL
Meet Our Expert
General Physician
for
Diabetes Hypertension Heart Attack
Dengue Malaria Typhoid
High Cholesterol Liver Disease
Specialist In:
Diabetes, Hypertension
And Heart Disease
Dr. Narendra
MBBS, MD (Medicine)
जनरल फिजिशियन
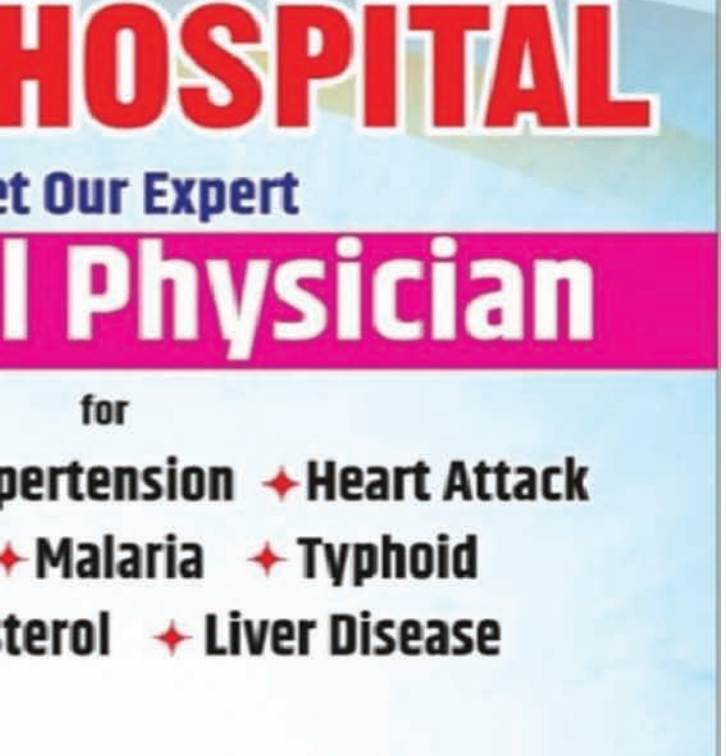

Timing:
6 pm to 8 pm (Everyday)
Plot No. B-160, Bhagat Singh Colony, Bhiwadi
M.: 8529879031 | Ph.: 01493-796907

भारत-जापान ने दुनिया को दिया स्पष्ट संदेश- एकध्रुवीय दबाव की राजनीति अब टिकाऊ नहीं रही

नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत तक के टैरिफ ने भारत के कई क्षेत्रों पर दबाव डाला है। किन्तु, टोक्यो में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन ने यह दिखा दिया कि भारत अब वैश्विक दबाव से भयभीत नहीं, बल्कि अवसर तलाशने वाला देश है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा केवल एक कूटनीतिक पड़ाव भर नहीं है। यह यात्रा उस ऐतिहासिक मोड़ का संकेत है जहाँ भारत और जापान मिलकर एशिया ही नहीं, बल्कि पूरे वैश्विक परिदृश्य को प्रभावित करने वाले साझेदार के रूप में उभर रहे हैं। टोक्यो में भारत-जापान आर्थिक मंच पर प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब अपने आर्थिक, सामरिक और भू-राजनीतिक विकल्पों को लेकर कहीं अधिक आत्मविश्वासी और निर्णायक हो चुका है।

देखा जाये तो अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत तक के टैरिफ ने भारत के कई क्षेत्रों पर दबाव डाला है। किन्तु, टोक्यो में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन ने यह दिखा दिया कि भारत अब वैश्विक दबाव से भयभीत नहीं, बल्कि अवसर तलाशने वाला देश है। मोदी ने बिना नाम लिए यह संदेश अमेरिका को दिया कि भारत किसी एक बाजार या शक्ति पर निर्भर नहीं रहेगा। जापान में दिया गया यह भाषण वस्तुतः आर्थिक स्वायत्तता का घोषणापत्र था। सुधार, पारदर्शिता, राजनीतिक स्थिरता और नीति की प्रेडिक्टेबिलिटी पर बल देकर मोदी ने निवेशकों को यह विश्वास दिलाया कि भारत उनके लिए न केवल सुरक्षित, बल्कि लाभकारी गंतव्य है। हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका इन दिनों अपने आर्थिक और सामरिक हितों के लिए लगभग हर देश पर दबाव बनाने की नीति पर चल रहा है। कभी वह 50% तक का टैरिफ लगाकर व्यापार को नियंत्रित करता है, तो कभी तकनीकी निर्यात और डॉलर प्रणाली के माध्यम से देशों को अपनी शर्तें मानने पर मजबूर करता है। यह नीति भले ही अमेरिका को अल्पकालिक लाभ दे, लेकिन लंबे समय में यह वैश्विक असंतोष और नए गठबंधनों को जन्म दे रही है। देखा जाये तो 21वीं सदी का एशिया अब केवल 'बाजार' नहीं रह गया है। चीन के बढ़ते प्रभाव, भारत के उदय और जापान की तकनीकी ताकत ने अमेरिका की एकतरफा दबाव नीति को चुनौती दी है। एशिया की यह नई तस्वीर इस सदी को सचमुच 'एशियाई सदी' बनाने की दिशा में आगे बढ़ा रही है।

भारत और जापान के बीच साझेदारी अमेरिकी दबाव का सबसे ठोस जवाब है। जापान की तकनीक और भारत का विशाल बाजार मिलकर वैकल्पिक सप्लाई चेन खड़ा कर

सकते हैं। सेमीकंडक्टर, एआई, क्वांटम और न्यूक्लियर ऊर्जा में संयुक्त पहल अमेरिका की तकनीकी पकड़ को संतुलित कर सकती है। इसके अलावा, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में यह साझेदारी चीन और अमेरिका दोनों के वर्चस्ववादी रुख को संतुलित करेगी।

भारत-जापान का सहयोग दुनिया को यह स्पष्ट संदेश देता है कि एकध्रुवीय दबाव की राजनीति अब टिकाऊ नहीं रही। एशियाई सहयोग ही वैश्विक स्थिरता का आधार बनेगा। साथ ही साझेदारी और सह-समृद्धि का मॉडल, दबाव और एकाधिकार से कहीं अधिक व्यवहार्य है। इसमें कोई दो राय नहीं कि अमेरिका जितना दबाव बढ़ाएगा, भारत और जापान जैसे साझेदार उतनी ही मजबूती से वैकल्पिक गठजोड़ खड़े करेंगे। इस साझेदारी में केवल द्विपक्षीय हित ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक संदेश छिपा है– भविष्य दबाव और एकाधिकार का नहीं, बल्कि सहयोग और साझा समृद्धि का है।

भारत-जापान संबंधों की मजबूती की बात करें तो आपको बता दें कि 'जापान टेक्नोलॉजी पावरहाउस है और भारत टैलेंट पावरहाउस' है, यह कह कर प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के बीच भविष्य की साझेदारी का खाका पेश कर दिया है। देखा जाये तो ऑटोमोबाइल सेक्टर में जिस प्रकार जापानी तकनीक और भारतीय बाजार ने सफलता का मॉडल पेश किया, वैसी ही संभावनाएँ अब सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स, बैटरियों, शिपबिल्डिंग और न्यूक्लियर ऊर्जा में हैं। भारत की विशाल युवा शक्ति और जापान की अनुसंधान क्षमता मिलकर 21वीं सदी की तकनीकी क्रांति को दिशा दे सकती है। यही वह आधार है जिस पर 'एशियाई सदी' की बहुप्रतीक्षित इमारत खड़ी हो सकती है।

वैश्विक साउथ और एशिया की भूमिका

मोदी का यह वक्तव्य कि 'भारत, जापानी कारोबार के लिए ग्लोबल साउथ का स्प्रिंगबोर्ड है' केवल कूटनीतिक विनम्रता नहीं, बल्कि एक गहरी रणनीति का भी संकेत है। चीन के बढ़ते प्रभाव और अमेरिका के संरक्षणवादी रुख के बीच भारत-जापान साझेदारी विकासशील देशों के लिए एक नया विकल्प है। इसके अलावा, अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में भारत की स्वीकृति और जापान की पूंजी मिलकर वह शक्ति-संतुलन तैयार कर सकते हैं, जिसकी आज दुनिया को आवश्यकता है। यह साझेदारी चीन के ह्लबेल्ट एंड रोड इनिशिएटिवह्व के विकल्प के रूप में भी देखी जा सकती है।

भारत की वैश्विक छवि : एक विश्वसनीय ध्रुव

मोदी ने अपने भाषण में भारत की आर्थिक उपलब्धियों को गिनाते हुए बताया कि 18% वैश्विक वृद्धि में योगदान, 700 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार, कम महँगाई, कम ब्याज दरें और मजबूत बैंकिंग प्रणाली, ये आंकड़े केवल सांख्यिकी नहीं हैं; यह उस विश्वसनीयता का प्रमाण हैं, जो आज भारत को निवेशकों की पहली पसंद बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम के अनेक देशों में जहाँ अस्थिरता और मंदी का माहौल है, वहीं भारत एक स्थिर, पारदर्शी और ऊजार्वान अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है।

अमेरिका और चीन को संदेश

इस यात्रा के राजनीतिक संदेश को अनदेखा नहीं किया जा सकता। अमेरिका के लिए संदेश यह था कि भारत केवल दबाव झेलने वाला बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक साझेदारों के साथ स्वतंत्र रणनीति बनाने वाला राष्ट्र है। चीन के लिए संदेश यह था कि एशिया में अकेले उसकी दावेदारी नहीं है। जापान और भारत मिलकर एक वैकल्पिक ध्रुव बना सकते हैं, जो 'एशियाई सदी' को बहुध्रुवीय बनाएगा।

देखा जाये तो भारत-जापान संबंधों में यह नया अध्याय केवल निवेश या कारोबार तक सीमित नहीं है। यह एक रणनीतिक दृष्टि का हिस्सा है, जहाँ दोनों देश एशिया और विश्व के भविष्य को परिभाषित करने की भूमिका निभा सकते हैं। मोदी की यह यात्रा ऐतिहासिक इसलिए है क्योंकि इसमें आर्थिक सहयोग को रणनीतिक साझेदारी का रूप दिया गया, अमेरिकी दबाव के बीच भारत की आत्मनिर्भरता का संदेश दिया गया और यह संकेत भी दिया गया कि आने वाली सदी केवल पश्चिम की नहीं, बल्कि एशिया की भी होगी। प्रधानमंत्री मोदी का यह जापान दौरा उस बड़े बदलाव का प्रतीक है, जिसमें भारत अब विश्व व्यवस्था का 'पार्टिसिपेंट' नहीं, बल्कि 'शेपिंग पावर' बनता जा रहा है।

संपादकीय

पीड़ादायक कारावास

सुप्रीम कोर्ट ने आपराधिक मुकदमे को बेवजह लंबा खींचने को पीड़ादायक बताते हुए इसे मानसिक कारावास के समान कहा। भ्रष्टाचार के मामले में सजा को घटा कर जेल में बिताई अवधि तक सीमित कर दिया। दोषसिद्धि की पुष्टि करते हुए पीठ ने मूल जुमार्ने की राशि बढ़ा कर पच्चीस हजार रुपये अधिक कर दी। बाइस साल पहले तीन सौ रुपये रिश्वत मांगने वाली यह महिला 75 वर्ष की हो चुकी है जो केंद्रीय उत्पाद शुल्क में निरीक्षक के पद पर कार्यरत थी। उसे सितम्बर, 2002 में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के प्रावधानों के तहत दोषी ठहराया गया था और निचली अदालत ने एक वर्ष के कारावास की सजा दी थी। 2010 में फैसले के खिलाफ मद्रास हाई कोर्ट में उसने अपील की। वहां भी आदेश की पुष्टि के उपरांत दोषी शीर्ष अदालत आई। शीर्ष अदालत में सत्तासी हजार से अधिक मामले लंबित बताए जा रहे हैं। जिला व अधीनस्थ अदालतों में सत्तानबे लाख से अधिक मामले लंबित हैं। लंबित मुकदमों को यथा शीघ्र निपटाने की हिदायतों के बावजूद आरोपी सालों से न्याय के इंतजार में जेलों में बंद हैं जिसके चलते जेलों की हालत भी बेहद खराब है। बेशक, अदालती कार्रवाई में संसाधनों की कमी, जजों की नियुक्ति समेत तमाम दिक्कतें मुंह बाये खड़ी हैं, जिनका निपटान होता नहीं नजर आ रहा। दोषसिद्धि होने से पूर्व हजारों कैदी इस मानसिक पीड़ा से गुजरते हैं। उस पर भी आरोप सिद्ध न होने या पर्याप्त सबूतों के अभाव में रिहा होने पर भी उनकी इस मानसिक दुर्दशा के प्रति किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाता। बार-बार चर्चा होती है कि दुदृात अपराधियों या जालसाजों के अतिरिक्त दोषसिद्धि से पहले कैद में रखने का कोई औचित्य नहीं है। अव्वल तो पेचीदा न हो तो मामलों का निपटान फौरी तौर पर होने की व्यवस्था होनी चाहिए। बिला-वजह मामलों को लंबित रखना पीड़ित और आरोपी, दोनों को मानसिक कारावास के तौर पर पीड़ा देने वाला ही नहीं होता, बल्कि अर्थव्यवस्था और शासन के लिए भी अहितकर साबित होता है। यह मौलिक अधिकारों का भी हरण है। न्याय प्राप्ति में देरी को अन्याय से मुक्त नहीं कहा जा सकता। लंबित वाद दोनों ही पक्षों के लिए मानसिक कारावास सिद्ध होता है। ढेरों मामलों में सजापूर्व कैदी को इस मानसिक कारावास के चलते गहन तनाव झेलना पड़ता है, जिस पर गौर किए जाने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

दूसरों के दुख से अपना दुख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही कहेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी माने बैठें हैं उससे पूछ कर देंखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटरी खोलकर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत भिड़ाने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दे दें।

कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर मे कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएंगे और एक-एक कागज उठा लें। ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो। अगर चाहो तो मैं तुम्हारी समस्या दूर कर दूंगा पर उसके बदले कागज पर लिखी समस्या तुम्हारी हो जाएगी। तुम्हें लगता है कि तुम्हारी समस्या बड़ी है तो उसे दूर करवाकर कागज पर लिखी दूसरे की छोटी-सी समस्या अपना लो। चाहो तो आपस में कागज बदल लो। जब तय कर लो कि अपनी समस्या के बदले कौन सी समस्या लोगे तो मेरे पास आ जाना।

लोगों ने जब अपने पास कागज पर लिखी समस्या पढी तो वे घबरा गए। लोग एक दूसरे से कागज बदल-बदल कर पढ़ रहे थे। हर बार उन्हें लगता कि उनकी समस्या तो जैसी है वैसी है, पर इस नई समस्या का सामना नहीं कर पाएंगे। कुछ देर में हर किसी को समझ आ गया कि उनकी समस्या जैसी भी है उनके अपने जीवन का हिस्सा है और वे उसी का सामना कर सकते हैं। एक-एक कर के लोग चुपचाप वहाँ से चले गये।

भारत में परिवार और नातेदारी: बदलता परिदृश्य

देवेंद्र कुमार बुड़ाकोटी

स्वतंत्रता के बाद से भारतीय समाज महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तनों से गुजर रहा है और एक गहन परिवर्तन से गुजर रहा है–जो पश्चिमी आदर्शों, जीवन शैली और सामाजिक-सांस्कृतिक मानदंडों के बढ़ते प्रभाव को दशार्ता है। वैश्वीकरण ने जहाँ भारत के लिए नए अवसरों और विश्वदृष्टिकोणों के द्वार खोले हैं, वहीं इसने पारंपरिक मूल्यों में, विशेष रूप से पारिवारिक संरचना, रिश्तों, व्यक्तिगत पहचान और सामाजिक एकता के संदर्भ में, एक उल्लेखनीय बदलाव भी लाया है। कई वर्षों से, मध्यम वर्गीय परिवारों में, खाना पकाना, बर्तन साफ करना, कपड़े धोना, घर में झाड़ू-पोछा लगाना, घर और बाहर की सफाई करना और घर का काम करना, रोजगार माना जाता रहा है और इस काम को करने वाले व्यक्ति को नौकर या नौकरानी कहा जाता है, इसलिए इन कामों को निम्न वर्ग का काम माना जाता है और नई पीढ़ी को इस काम में कोई रुचि नहीं है। पारिवारिक संरचना में इस सामाजिक परिवर्तन ने क्या रूप धारण किया है और नई पीढ़ी के परिवार का स्वरूप कैसा होगा और भविष्य के बच्चों का पालन-पोषण कैसे होगा और इसके क्या परिणाम होंगे?

संयुक्त राज्य अमेरिका और पश्चिमी दुनिया के अधिकांश हिस्सों में पारिवारिक संरचना में भारी गिरावट आ रही है। पिता, माता, भाई, बहन और दूर के रिश्तेदारों की कभी स्पष्ट भूमिकाएँ अब धुंधली होती जा रही हैं–कौन बाप, कौन माँ, कौन भाई, कौन बहन, कौन रिश्तेदार, यह बताना अब अक्सर मुश्किल हो जाता है। इस संदर्भ में, सामाजिक सीमाओं के बदलने और विस्तार के साथ, सेक्स, कामुकता और यहाँ तक कि अनाचार की अवधारणाएँ भी लचीली हो गई हैं।

पश्चिम में इसके परिणाम पहले से ही दिखाई दे रहे हैं: नशीली दवाओं का बढ़ता उपयोग (कानूनी और गैरकानूनी दोनों, कभी-कभी चिकित्सा या मनोरंजन की आड़ में भी), टूटे हुए परिवारों का प्रसार, बेघर होना, किशोरावस्था में गर्भधारण, अविवाहित और एकल माताओं की संख्या में वृद्धि, तलाक आम बात हो जाना, और वृद्धाश्रमों में रहने वाले वृद्धजनों का सामान्य होना। सामाजिक समस्याओं और उनसे जुड़ी कानून-व्यवस्था की चुनौतियों में उल्लेखनीय वृद्धि राज्य के लिए नियमित घटनाएँ हैं। इस विखंडन के मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और आर्थिक प्रभाव गहराते जा रहे हैं, जो एक गहन सामाजिक परिवर्तन की ओर इशारा करते हैं–ऐसा परिवर्तन जो पश्चिमी समाजों द्वारा गंभीर चिंतन और संवाद की माँग करता है।

भारत में हम एक गहन परिवर्तन देख रहे हैं–जो पश्चिमी आदर्शों, जीवन-शैली और सामाजिक-सांस्कृतिक मानदंडों के बढ़ते प्रभाव को दशार्ता है। वैश्वीकरण ने जहाँ भारत के लिए नए अवसरों और विश्वदृष्टिकोणों के द्वार खोले हैं, वहीं इसने पारंपरिक मूल्यों, विशेष रूप से पारिवारिक संरचना, रिश्तों, व्यक्तिगत पहचान और सामाजिक सामंजस्य के संदर्भ में, में भी उल्लेखनीय बदलाव लाए हैं। बाहर विवाह, जाति, समुदाय और जातीयता, रिश्तेदारी के समीकरण को बदल रहे हैं।

नौकरी की गतिशीलता, शहरी प्रवास और व्यक्तिगत आकांक्षाओं में वृद्धि के कारण, विशेष रूप से शहरी भारत में एकल परिवारों का उदय तेज हुआ है। इस बदलाव ने परिवारों में दादा-दादी की कमी को बढ़ावा दिया है–जिससे पीढ़ियों के बीच के बंधन और सांस्कृतिक मूल्यों का संचरण कमजोर हो रहा है।

भारत में लिव-इन रिलेशनशिप, विलंबित विवाह और कुछ मामलों में, स्वैच्छिक एकल जीवन का भी उदय हो रहा है। जहाँ अब कई लोग लैंगिक भूमिकाओं, रिश्तेदारी संबंधों और पारंपरिक ज़िम्मेदारियों पर सवाल उठा रहे हैं, वहीं परिवार की भावनात्मक डोर कमजोर होती जा रही है। रिश्तेदारी, जो कभी रक्त और परंपरा से परिभाषित होती थी, अब व्यक्तिगत पसंद और पहचान से आकार ले रही है।

ये बदलाव, हालांकि कई मायनों में प्रगतिशील हैं, अपने साथ एक चुनौती भी लेकर आते हैं: पारंपरिक पारिवारिक भूमिकाओं और ज़िम्मेदारियों का अस्थिर होना, जिससे सामाजिक परिवेश और भी विखंडित हो रहा है।

पश्चिमी दुनिया के अधिकांश हिस्सों में, पारिवारिक संरचना के क्षरण के साथ-साथ तलाक की दर, किशोरावस्था में गर्भधारण, एकल मातृत्व और बेघर होने की दर में भी नाटकीय वृद्धि हुई है। विवाहेतर संबंधों से पैदा हुए बच्चों को सामान्य मानने और घटती विवाह दर के कारण परिवार भावनात्मक रूप से अस्थिर और आर्थिक रूप से कमजोर हो गए हैं। सामाजिक दरारें अब बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं, हिंसक अपराधों और सामुदायिक बंधनों के कमजोर होने के रूप में दिखाई दे रही हैं। एक रूपक के रूप में कहें तो, ठंीी अस्त्री अब पश्चिम में परिवार, विवाह और रिश्तेदारी की पारंपरिक नींव के प्रति बहुत कम सम्मान के साथ मौजूद है। और फिर भी, भारत भी इसी राह पर चलता दिख रहा है, शायद इसके परिणामों को पूरी तरह से स्वीकार किए बिना।

आज के युवाओं में विदेश में शिक्षा प्राप्त करने, विवाह में देरी करने या उसे अस्वीकार करने, या बच्चे पैदा न करने का विकल्प चुनने की संभावना अधिक है। ये निर्णय स्वायत्तता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को दशार्ते हैं, लेकिन समुदाय और पारिवारिक संबंधों से अलगाव को भी बढ़ावा देते हैं।

परिवार का विघटन, व्यक्तिवाद का उदय, उपभोक्तावाद का अतिरेक, तथा सांस्कृतिक मूल्यों का क्षरण, समय के साथ उस सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर सकता है जिसने ऐतिहासिक रूप से भारतीय समाज को एक सूत्र में बांधे रखा है। भारत अपनी आधारभूत सामाजिक संरचनाओं को नष्ट किए बिना लैंगिक समानता, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और नवाचार जैसे आधुनिक मूल्यों को अपना सकता है। इसकी कुंजी चयनात्मक आत्मसातीकरण में निहित है–अपनी पारंपरिक प्रणालियों की खूबियों को बरकरार रखते हुए, पुरानी या अन्यायपूर्ण व्यवस्थाओं में सुधार लाना। शहरी भारतीय मध्यम वर्ग भले ही यह मानता हो कि भारतीय समाज तेजी से पश्चिमी पारिवारिक ढाँचे की ओर बढ़ रहा है, लेकिन हमारा विशाल ग्रामीण समाज अपने सांस्कृतिक लोकाचार में निहित है और यहीं भारत का निवास है।

ज्योतिष : प्राचीव विद्या की गरिमा पर खतरा

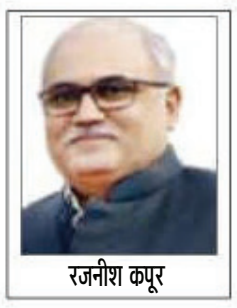

रजनीश कपूर

आज के डिजिटल युग में, जहां सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स ने सूचना के प्रसार को अभूतपूर्व गति दी है, ज्योतिष विद्या भी डिजिटल क्रांति का हिस्सा बन गई है। यूट्यूब, इंस्टाग्राम, और अन्य सोशल मीडिया मंचों पर ज्योतिष से संबंधित वीडियो की बाढ़ सी आ गई है। इनमें से कई वीडियो दावा करते हैं कि वे 'त्वरित सफलता' के मंत्र, उपाय या टोटके प्रदान करते हैं, जो कुछ ही दिनों में जीवन की समस्याओं को हल कर सकते हैं। पारंपरिक और अनुभवी ज्योतिषी, जो जन्म कुंडली के गहन विश्लेषण के बाद ही उपाय सुझाते हैं, की विश्वसनीयता की तुलना में ये तथाकथित 'त्वरित उपाय' कितने प्रभावी हैं?

सोशल मीडिया पर उपलब्ध ज्योतिषीय वीडियो में अक्सर आकर्षक शीर्षक देखने को मिलते हैं-'तीन दिन में धन प्राप्ति का चमत्कारी उपाय' या ह्यइस मंत्र से बदल जाएगी आपकी किस्मत।' ये वीडियो आम तौर पर छोटे, तेजी से संपादित और मनोरंजक होते हैं, जो दर्शकों का ध्यान तुरंत खींचते हैं। इनमें बताए गए उपाय सरल और त्वरित लगते हैं, जैसे किसी विशेष रंग का धागा बांधना, कोई मंत्र जपना, या किसी वस्तु को घर में रखना। वृंदावन में कई वर्षों से ज्योतिष विद्या कर रहे सुप्रसिद्ध आचार्य राजेश पांडे के अनुसार, 'इन उपायों का कोई वैदिक या ज्योतिषीय आधार नहीं होता। ज्योतिष जटिल विद्या है, जिसमें ग्रहों, नक्षत्रों और कुंडली के बारह भावों का गहन अध्ययन शामिल होता है। किसी व्यक्ति की जन्म कुंड़ली का विश्लेषण किए बिना सामान्य उपाय देना न केवल गैर-जिम्मेदाराना है, बल्कि लोगों को गलत दिशा में ले जा सकता है।' आचार्य पांडे कहते हैं, 'ऐसे वीडियो का उद्देश्य अक्सर दर्शकों की भावनाओं को भुनाना होता है। कम समय में ज्योतिष विद्या कभी नहीं सीखी जा सकती।' विशेषज्ञों के अनुसार, प्रामाणिक और अनुभवी ज्योतिषी किसी भी उपाय को सुझाने से जन्म कुंडली का गहन अध्ययन करते हैं। ज्योतिष शास्त्र में प्रत्येक व्यक्ति की कुंडली अलग होती है, जो उनके जन्म के समय ग्रहों की स्थिति पर आधारित होती है। कुंडली में ग्रहों के गोचर, दशा, अंतर्दशा और विभिन्न योगों का विश्लेषण करके ही तय किया जाता है कि व्यक्ति को किस प्रकार के उपाय की आवश्यकता है। किसी व्यक्ति की कुंडली में शनि की साढ़े साती चल रही है, तो ज्योतिषी विशिष्ट मंत्र, दान, या पूजा की सलाह दे सकते हैं, जो उसकी स्थिति के लिए उपयुक्त हो। यह प्रक्रिया समय लेने वाली और जटिल होती है, लेकिन अधिक विश्वसनीय और प्रभावी होती है। यह विचारणीय है कि क्या त्वरित सफलता के मंत्र देने वाले वीडियो केवल लोकप्रियता बढ़ाने का हथकंडा हैं। सोशल मीडिया पर व्यूज, लाइक्स और सब्सक्राइबर्स की संख्या सीधे तौर पर आय से जुड़ी होती है। इसलिए, कई अनुभवहीन या स्वयंभू ज्योतिषी आकर्षक और सनसनीखेज सामग्री बना कर दर्शकों को लुभाने की कोशिश करते हैं। वे जटिल ज्योतिषीय सिद्धांतों को सरल और त्वरित समाधानों में बदल देते हैंङ्क जो वास्तव में ज्योतिष शास्त्र की गहराई को कमजोर करते हैं। आचार्य पांडे के अनुसार, 'कुछ लोग सतही जानकारी के आधार पर वीडियो बनाते हैं, जो किताबों, इंटरनेट, या अन्य स्रोतों से ली गई होती हैं। कई स्वयंभू ज्योतिषियों के पास न तो औपचारिक प्रशिक्षण होता है, और न ही गहन अनुभव। फिर भी, वे अपने आत्मविश्वास, आकर्षक प्रस्तुति और मार्केटिंग रणनीतियों के दम पर लाखों दर्शकों तक पहुंच जाते हैं। यह न केवल ज्योतिष की विश्वसनीयता को कम करता है, बल्कि उन लोगों को भी निराश करता है, जो इन उपायों पर भरोसा करते हैं।' ज्योतिष प्राचीन और सम्मानित विद्या है, जिसका उपयोग सदियों से लोगों के मार्गदर्शन के लिए किया जाता रहा है, लेकिन इस तरह के भ्रामक वीडियो इसकी साख को नुकसान पहुंचा रहे हैं। जब लोग इन तथाकथित उपायों को आजमाते हैं, और उन्हें कोई लाभ नहीं मिलता, तो वे न केवल उन वीडियो पर विश्वास खो देते हैं, बल्कि ज्योतिष शास्त्र पर ही सवाल उठाने लगाते हैं।

यह उन अनुभवी ज्योतिषियों के लिए भी चुनौती बनता है, जो वषाङ्ड के अध्ययन और अभ्यास के बाद लोगों की मदद करते हैं। अंत में, कहना गलत नहीं होगा कि

त्वरित सफलता के मंत्र देने वाले ज्योतिषीय वीडियो अधिकांशतः भ्रामक और लोकप्रियता के लिए बनाए जाते हैं। लोगों की भावनाओं और आशाओं का शोषण करते हैं, वो भी बिना किसी ठोस आधार के। दूसरी ओर, प्रामाणिक ज्योतिषी, जो कुंडली के गहन विश्लेषण के बाद उपाय सुझाते हैं, अधिक विश्वसनीय और प्रभावी होते हैं। ज्योतिष विज्ञान और कला का मिश्रण है, जो तभी प्रभावी होता है, जब इसे गंभीरता और जिम्मेदारी से अपनाया जाए। त्वरित सफलता का लालच छोड़कर हमें धैर्य और समझदारी के साथ सही मार्गदर्शन की तलाश करनी चाहिए। तभी हम ज्योतिष के वास्तविक लाभों को प्राप्त कर सकते हैं, और इस प्राचीन विद्या की गरिमा को बनाए रख सकते हैं। (लेख में विचार निजी हैं)

राष्ट्रीय खेल दिवस पर विद्यार्थियों को खेलकूद व योग-प्राणायाम के लिए किया प्रेरित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविद्यालय में शुक्रवार को राष्ट्रीय खेल दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. आर.के. सिंह ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलकूद गतिविधियां न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं, बल्कि व्यक्तित्व विकास और जीवन में अनुशासन लाने का भी उत्तम साधन हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे खेलों में सक्रिय भागीदारी कर अपनी खेल प्रतिभा को निखारें और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं व जीवन की चुनौतियों में सफलता प्राप्त करें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लक्ष्मीनारायण शर्मा ने योग और प्राणायाम के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास और प्राणायाम से तनाव, मधुमेह, हृदय रोग और श्वसन संबंधी बीमारियों से बचाव संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों को योग की विविध मुद्राएं दिखाकर अभ्यास कराया और मोबाइल व तकनीकी साधनों के अत्यधिक उपयोग से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों से भी अवगत कराया। खेल प्रभारी मालीराम मीणा ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में तीन दिवसीय खेलकूद गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विभिन्न प्रतियोगिताएं होंगी जिनमें विद्यार्थी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त संकाय सदस्य और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और खेल एवं योग-प्राणायाम संबंधी जानकारी से लाभान्वित हुए।

एनडीपीएस प्रकरणों में जिला पुलिस की बड़ी कार्रवाई, भारी मात्रा में मादक पदार्थ नष्ट

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

जिले में मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को एनडीपीएस प्रकरणों में जप्तशुदा मादक पदार्थों को विधिवत नष्ट किया गया। यह कार्रवाई पुलिस मुख्यालय और जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश के निर्देशानुसार जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिश्नोई के नेतृत्व में की गई। कोटपूतली, प्रागपुरा, विराटनगर, भाबरू, पनियाला, हरसौरा, नीमराना और शाहजहांपुर थानों से संबंधित मामलों में जब्त किए गए मादक पदार्थों को अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री मोहनपुरा के किलन में जलाकर नष्ट किया गया। इस दौरान एएसपी वैभव शर्मा, डीएसपी राजेन्द्र बुरडक सहित विभिन्न थानों के एसएचओ और पुलिस कार्मिक मौजूद रहे। नष्ट किए गए मादक पदार्थों में 489.231 किलोग्राम डोडा पोस्त, गांजा, अफीम के पौधे, चरस, 810 नग ऐल्प्राजोलाम टेबलेट्स, 50,320 नग ट्रोमाडोल कैप्सूल और 2,320 नग एफ्क्रॉज कफ सीरप शामिल थे। प्रक्रिया के दौरान अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा संबंधित थानों के मालखाना इंचार्ज ने भी सहयोग दिया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि एनडीपीएस प्रकरणों में जब्त सामग्री का समय पर निस्तारण आवश्यक है, ताकि इनका दुरुपयोग न हो सके। उन्होंने जिले में मादक पदार्थों की रोकथाम और तस्करों पर सख्त कार्रवाई जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई।

भारत को जानो प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा टपूकड़ा

भारत विकास परिषद शाखा टपूकड़ा द्वारा कस्बे के राज. उच्च माध्यमिक विद्यालय व राज. बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सहित 5 विद्यालयों में भारत को जानो प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन किया गया जिसमें 1450 विद्यार्थियों ने भाग लिया। परिषद के अध्यक्ष पवन गुप्ता ने बताया कि आज पूरे प्रान्त के अनेक विद्यालयों में परिषद द्वारा परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है इसमें उत्तीर्ण बच्चों को जिला स्तर ओर फिर प्रांतीय स्तर परीक्षा में भाग लेने का अवसर मिलेगा। परीक्षा सामान्य ज्ञान पर आधारित है और विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति से जोड़ने, समझने और अपनाने का एक प्रयास है।

बड़े उत्साह के साथ राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

विद्यालय में खेलकूद प्रतियोगिताएँ, दौड़, टीम गेम्स एवं विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। छात्रों ने खेल भावना, अनुशासन और टीमवर्क का परिचय दिया। इस अवसर पर विद्यालय की निदेशक सरोज शर्मा, प्रधानाचार्य मो. इमान खान एवं सभी शिक्षकों ने बच्चों को खेलों के महत्व के बारे में प्रेरित किया और विजेताओं को सम्मानित की।

संगीतमय श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ कथा में रूकमणी विवाह व रास उत्सव का मंचन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

कस्बे के श्री अग्रसेन भवन में रविवार 24 अगस्त से चल रहे संगीतमय श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ के अंतर्गत षष्ठम दिवस शुक्रवार को भक्तिमय वातावरण में रूकमणी विवाह और रास उत्सव का मनोहारी मंचन किया गया। कथा व्यास आचार्य शांतिदेव त्रिपाठी सीतापुर ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कथा के दौरान पूतना वध, माखन चोरी, यशोदा मां के साथ बाल लीलाएं, कालिया नाग मर्दन और गोवर्धन पर्वत धारण जैसे प्रसंगों का जीवंत चित्रण किया गया। भगवान श्रीगोवर्धन की पूजा अर्चना विधि-विधान से संपन्न हुई। इसके साथ ही श्रीकृष्ण-रूकमणी विवाह प्रसंग का मंचन किया गया। विवाह के अवसर पर श्रद्धालुओं ने परंपरा अनुसार वस्त्र और नकदी देकर कन्यादान किया। महारास लीला और कंस वध के प्रसंगों ने उपस्थित जनों को आध्यात्मिक भाव से सराबोर कर दिया। कथा व्यास ने कहा कि श्रीमद भागवत केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को धर्म और भक्ति से जोड़ने का मार्गदर्शन है। आयोजक कैलाश पंसारी, मीना पंसारी, एडीजे लोकेश गुप्ता व हिमांशु गुप्ता ने बताया कि 24 अगस्त से प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक कथा का आयोजन हो रहा है। शनिवार 30 अगस्त को कथा में सुदामा चरित्र व व्यास पूजन का आयोजन होगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएं एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे और भगवान की लीलाओं का रसपान किया।

निराश्रित गौवंश को गौशालाओं तक पहुंचाकर दुर्घटनाओं पर लगेगा अंकुशः जिला कलक्टर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

जिला कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी की अध्यक्षता में निराश्रित गौवंश की समस्या और उसके समाधान को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में गौशालाओं के प्रतिनिधियों, नगर परिषद व नगर पालिका अधिकारियों तथा पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। जिला कलक्टर ने कहा कि राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों, ग्रामीण सड़कों और बाजारों में खुले में विचरण कर रहे निराश्रित गौवंश के कारण सड़क दुर्घटनाओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह न केवल जनसुरक्षा के लिए चुनौती है, बल्कि पशु कल्याण के दृष्टिकोण से भी गंभीर समस्या है। उन्होंने निर्देश दिए कि एनएचएआई, नगर परिषद व नगर पालिकाएं आपसी समन्वय से टैगिंग करते हुए निराश्रित गौवंश को नजदीकी गौशालाओं तक सुरक्षित पहुंचाएं। कलक्टर ने स्पष्ट किया कि गौ संरक्षण एवं संवर्धन निधि अधिनियम के अंतर्गत राजकीय सहायता प्राप्त गौशालाओं को अपनी कुल क्षमता का कम से कम 10 प्रतिशत निराश्रित गौवंश अनिवार्य रूप से स्वीकार करना होगा। यदि कोई गौशाला इससे इंकार करती है तो पशुपालन अधिकारी तत्काल कार्रवाई करें और इसकी सूचना जिला स्तरीय गोपालन समिति को भेजें। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्रों को स्ट्रे कैटल फ्री जोन बनाया जाए और सार्वजनिक स्थानों पर पाए जाने वाले निजी स्वामित्व वाले गौवंश पर जुर्माना वसूला जाए। कलक्टर ने नगर परिषद को कचरा निस्तारण व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए ताकि गौवंश भोजन की तलाश में सड़कों पर न भटके। साथ ही राजमार्गों पर पशुओं के आवागमन को रोकने हेतु अवरोधक लगाने, चेतावनी बोर्ड लगाने और नियमित पेट्रोलिंग कर कैटल कैचर वाहन तैनात करने के निर्देश दिए। घायल और रोगग्रस्त गौवंश को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने पर भी जोर दिया गया। एडीएम ओमप्रकाश सहारण ने कहा कि पंचायती राज विभाग स्थानीय समितियां गठित कर गौवंश की निगरानी सुनिश्चित करें और ग्राम पंचायत स्तर पर गौ-आश्रय स्थल खोलने के लिए पात्र संस्थाओं को प्रेरित करें। उन्होंने गौ संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करने और सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने की बात कही। पशुपालन अधिकारी कैलाश शर्मा ने जानकारी दी कि जिले में कुल 60 गौशालाएं (57 क्रियाशील) और 1 नंदीशाला संचालित हैं। इनमें से 46 गौशालाओं को भौतिक सत्यापन के आधार पर सरकार द्वारा अनुदान दिया जा रहा है। निराश्रित गौवंश के भरण-पोषण हेतु राज्य सरकार द्वारा बड़े गौवंश के लिए प्रतिदिन 50 रुपये और छोटे गौवंश के लिए 25 रुपये की सहायता राशि देय है। बैठक में नगर परिषद आयुक्त नूर मोहम्मद, पावटा ईओ फतेह सिंह मीणा, नीमराना ईओ राहुल अग्रवाल, बानसूर ईओ विशाल सहित संबंधित अधिकारी एवं गौशाला प्रतिनिधि मौजूद रहे।

भारत को जानो प्रतियोगिता का सफल आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

भारत विकास परिषद शाखा भिवाड़ी द्वारा दिनांक 29 अगस्त 2025 को "भारत को जानो" प्रतियोगिता का सफल आयोजन विभिन्न स्कूलों में किया गया। प्रतियोगिता कनिष्ठ एवं वरिष्ठ दोनों वर्गों के लिए आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कुल 11 विद्यालयों यूसीएसकेएम स्कूल मॉडर्न पब्लिक स्कूल, आरडीएस स्कूल सूरज स्कूल ,राठ स्कूल, मॉडर्न एकेडमी स्कूल ,आदर्श विद्या मंदिर , सनग्लो स्कूल सेंट्रल एकेडमी ,आरपीएस स्कूल ,प्रेसीडेंसी स्कूल लगभग 3100 विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। परिषद द्वारा शीर्ष 21 विद्यार्थियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी भारत की गौरवशाली संस्कृति, इतिहास और भव्यता से परिचित हो सकें। प्रत्येक विद्यालय से कनिष्ठ वर्ग में दो एवं वरिष्ठ वर्ग में दो छात्र चयनित किए गए हैं। इन चयनित विद्यार्थियों की अगली प्रतियोगिता 14 सितम्बर 2025 को आर.पी.एस. स्कूल, धारूहेड़ा में आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में भारत विकास परिषद के गणमान्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा, जिनमें अध्यक्ष अमित नाहाटा जैन ने कहा भारत को जानो प्रतियोगिता से बच्चों में देशभक्ति और संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ती है, सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों का धन्यवाद। इनके अलावा सचिव अनिल सिंघल, कोषाध्यक्ष एन.के. अग्रवाल, प्रकल्प प्रमुख सुनीता सोनी, नितिन रस्तोगी सुनीता यादव, हर्ष महेश्वरी, मनोज जैन, डॉ. नीरज अग्रवाल, विजय बंसल, सुरेंद्र यादव, एवं रेणुका सोंधी का विशेष सहयोग रहा।

लैब निजीकरण के विरोध में लैब टैक्निशियनों का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री व चिकित्सा मंत्री को भेजा ज्ञापन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

अखिल राजस्थान लैब टैक्निशियन कर्मचारी संघ के आह्वान पर कोटपूतली में शुक्रवार को लैब टैक्निशियनों ने अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर सरकार के खिलाफ रोष जताया और मुख्यमंत्री व चिकित्सा मंत्री को ज्ञापन भेजकर लैब के निजीकरण पर रोक लगाने एवं ग्रेड पे व पदनाम संबंधी पत्रावली का गजट नोटिफिकेशन जारी करने की मांग की। जिलाध्यक्ष महेश गौड़, बीडीएम जिला चिकित्सालय के लैब टैक्निशियन नेतराम यादव, गुमान सिंह मीणा, राजेश और ज्ञानसिंह ने बताया कि यदि लैब जांचों का निजीकरण किया जाता है तो जांचों की गुणवत्ता प्रभावित होगी और इनके दुरुपयोग की आशंका भी बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहले से ही मुख्यमंत्री निशुल्क जांच योजना सफलतापूर्वक संचालित हो रही है, ऐसे में निजीकरण की कोई आवश्यकता नहीं है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि लैब टैक्निशियनों की ग्रेड पे और पदनाम परिवर्तन की पत्रावली सभी स्तर से अनुमोदित हो चुकी है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी फाइलों को दबाकर बैठे हैं। इस कारण गजट नोटिफिकेशन जारी नहीं हो पा रहा, जिससे कर्मचारियों में गहरी नाराजगी है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही सरकार उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। शुक्रवार को हुए इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लैब टैक्निशियन शामिल हुए।

राजस्थान में गिव अप अभियान की ऐतिहासिक सफलता, 30 लाख लोगों ने छोड़ी खाद्य सब्सिडी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन और स्पष्ट निर्देशों के साथ राजस्थान सरकार द्वारा संचालित गिव अप अभियान ने ऐतिहासिक सफलता दर्ज की है। इस अभियान के तहत प्रदेशभर में अब तक 30 लाख से अधिक सक्षम लाभार्थियों ने स्वेच्छा से खाद्य सब्सिडी छोड़ दी है, जिससे वंचित और जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सुरक्षा का लाभ मिल रहा है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने बताया कि यह अभियान गत वर्ष 1 नवम्बर से शुरू किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य सक्षम लोगों को प्रेरित करना था कि वे अपनी खाद्य सब्सिडी छोड़कर गरीब परिवारों को इसका लाभ लेने का अवसर दें। अभियान के परिणामस्वरूप एनएफएसए में रिक्तियां बनने से 56.62 लाख पात्र वंचित परिवारों को खाद्य सुरक्षा से जोड़ा जा चुका है। मंत्री ने कहा कि सक्षम लोगों का त्याग गरीबों के मुंह का निवाला बन रहा है और यही इस अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा सूची में शामिल होने वाले पात्र परिवारों को न केवल सस्ती दर पर अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है, बल्कि उन्हें 25 लाख रुपये तक का निशुल्क इलाज, 10 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा और 450 रुपये में प्रतिवर्ष 12 घरेलू गैस सिलेंडर जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं भी मिल रही हैं। व्यापक जनभागीदारी को देखते हुए इस अभियान की अवधि बढ़ाकर 31 अगस्त 2025 कर दी गई है। जिला रसद अधिकारी शशि शेखर शर्मा ने बताया कि जिले में 63,850 सक्षम लोगों ने स्वेच्छा से खाद्य सब्सिडी छोड़कर इस मुहिम में योगदान दिया है। इसके कारण जिले के 95,892 जरूरतमंद लोगों को खाद्य सुरक्षा सूची से जोड़ा जा सका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे परिवार जिनमें कोई सदस्य आयकर दाता है, सरकारी या अर्द्धसरकारी सेवा में है, वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक है या जिनके पास चार पहिया वाहन है (जीविकोपार्जन में प्रयुक्त ट्रैक्टर को छोड़कर), उन्हें निष्कासन सूची में शामिल किया गया है। अधिकारी ने कहा कि इस सफलता में जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों का विशेष योगदान है। यह अभियान सामाजिक जिम्मेदारी और जन-जागरूकता का उत्कृष्ट उदाहरण है, जो खाद्य सुरक्षा के लक्ष्य को और मजबूत आधार देगा। उन्होंने सभी नागरिकों से भविष्य में भी इस प्रकार की सामाजिक पहलों में बढ़-चढ़कर भागीदारी की अपील की।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में बीसीएमओ ने दिए निर्देश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

खण्ड कार्यालय कोटपूतली में शुक्रवार को ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी (बीसीएमओ) डॉ. पूरण चंद गुर्जर की अध्यक्षता में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में राष्ट्रीय कार्यक्रमों, राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं और टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रगति पर चर्चा की गई। बीसीएमओ ने ब्लॉक कोटपूतली के 33 उप स्वास्थ्य केंद्रों, 13 पीएचसी व सीएचसी की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। जिन संस्थानों की प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई, उन्हें तीन दिनों के भीतर शत-प्रतिशत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन ही आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का मुख्य आधार है। बैठक में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की गतिविधियों की जानकारी भी साझा की गई। बीसीएमओ ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों और विद्यालयों में बच्चों की नियमित स्क्रीनिंग की जा रही है। इसमें दिल में छेद, आंखों की समस्या, कटे होंठ, एनीमिया सहित अन्य रोगों की पहचान कर राज्य सरकार द्वारा निशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। बैठक में चिकित्सा अधिकारी प्रभारी, एलएचवी, डीईओ और अन्य विभागीय कार्मिक उपस्थित रहे। बीसीएमओ ने अधिकारियों से समयबद्ध लक्ष्य हासिल करने और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर देने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति मॉप दिवस पर बच्चों को पिलाई गई एल्बेंडाजॉल की दवा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

खण्ड कोटपूतली में शुक्रवार को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति मॉप दिवस का आयोजन किया गया। ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी (बीसीएमओ) डॉ. पूरण चंद गुर्जर ने ब्लॉक कार्यालय से बच्चों को कृमिनाशक एल्बेंडाजॉल की दवा पिलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर आंगनबाड़ी केंद्रों, सरकारी और निजी विद्यालयों के साथ ही चिकित्सा संस्थानों में आने वाले तथा विद्यालय नहीं जाने वाले 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को दवा दी गई। डॉ. गुर्जर ने बताया कि 22 अगस्त को आयोजित राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर छूट गए बच्चों को मॉप-अप दिवस पर शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि कृमि संक्रमण बच्चों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर समस्या है, जो पोषण स्तर को प्रभावित करता है। कृमि शरीर से आवश्यक पोषक तत्व चुराकर खून की कमी, कुपोषण और विकास अवरुद्ध होने जैसी समस्याएं उत्पन्न करते हैं। राउंड कृमि आंत में विटामिन-ए अवशोषित कर लेते हैं, जिससे बच्चों का विकास रुक जाता है। बीपीएम विजय तिवाड़ी ने बताया कि दवा खिलाने के बाद बच्चों को हल्के दुष्प्रभाव जैसे जी मिचलाना, उल्टी, दस्त, पेट दर्द या थकान हो सकती है, जो सामान्य और अस्थायी हैं। अभियान का उद्देश्य बच्चों को कृमि संक्रमण से मुक्त कर स्वस्थ भविष्य की ओर ले जाना है।

सड़क दुर्घटना में घायल हुए जवान ईश्वर प्रसाद का निधन, गांव में सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा किशनगढ़बास

मांचा गांव निवासी सेना के जवान ईश्वर प्रसाद (36) का सड़क हादसे में घायल होने के बाद इलाज के दौरान निधन हो गया। शुक्रवार सुबह जब उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव पहुंचा तो माहौल गमगीन हो गया। भारी संख्या में ग्रामीण अंतिम दर्शन के लिए उमड़े। तिरंगा यात्रा के साथ पार्थिव देह को श्मशान ले जाया गया, जहां पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि उनके आठ वर्षीय पुत्र रजत ने दी। अंतिम संस्कार में विधायक दीपचंद खेरिया, सरपंच हनीफ खान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने श्रद्धांजलि दी। 633 बटालियन के सूबेदार बीरपाल ने बताया कि ईश्वर प्रसाद हरियाणा के हिसार स्थित 294 आर्म्ड वर्कशॉप बटालियन में तैनात थे। 7 अगस्त की रात ड्यूटी से लौटते समय बाइक नीलगाय से टकराने पर वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पहले हिसार और फिर दिल्ली आर्मी हॉस्पिटल में इलाज चला, जहां बुधवार रात उनका निधन हो गया।

हॉकी एशिया कप: चीन को हराकर भारत की एशिया कप में धमाकेदार शुरुआत, हरमनप्रीत की हैट्रिक

राजगीर (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन पुरुष हॉकी टीम के एशिया कप के पहले मैच में कमजोर चीन के खिलाफ प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं है लेकिन उन्हें इस बात की खुशी है कि टीम ने अपना अभियान जीत के साथ शुरू किया। विश्व रैंकिंग में सातवें पायदान पर काबिज भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में 23वें नंबर के चीन के खिलाफ 4-3 की संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की।

फुल्टन ने मैच के बाद मीडिया से बातचीत में कहा, 'हमारे लिए मैच का पहला हाफ अच्छा था, हम अच्छी स्थिति में थे और फिर कुछ गलतियां कीं। हमारे पास सुधार करने का मौका था। यह अच्छा रहा कि दूसरे हाफ में हमें कुछ पेनल्टी कॉर्नर मिले और हमने उन्हें गोल में बदला। पेनल्टी स्ट्रोक चूकना दुर्भाग्यपूर्ण था।'

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने तीन पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदले लेकिन दूसरे हाफ में एक पेनल्टी स्ट्रोक पर चूक गए। फल्टन ने कहा, 'हम खेल जीतने के लिए तो अच्छा खेले, लेकिन अपनी उम्मीदों के हिसाब से नहीं खेले। यह टूर्नामेंट का पहला मैच था। हमने कुछ मौके गंवाए और कुछ गोल भी खाये लेकिन यह देखना अच्छा था कि टीम ने पूरा जोर लगाया।' फुल्टन ने कहा कि मैच में जीत दर्ज करने के बावजूद उनकी टीम को कई क्षेत्रों में सुधार करने की आवश्यकता है। दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा, 'हमारे लिए महत्वपूर्ण बात यह थी कि हमें तीन अंक मिले।'

उन्होंने कहा कि इस टूर्नामेंट में किसी भी टीम को कम आंकना गलती होगी और शुक्रवार को ऐसा ही दिखा। भारतीय कोच ने कहा, 'मुझे किसी भी टीम से संघर्ष की उम्मीद है। हम टूर्नामेंट में सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम हैं और यहां प्रबल दावेदार हैं, इसलिए हर टीम हमसे खेलने के लिए खुद को तैयार करेगी और हमें उस चुनौती का सामना करना होगा।' उन्होंने कहा, 'मैंने कई मैच देखे हैं जहां आप अच्छा नहीं खेलते, लेकिन जीत जाते हैं और जीत हासिल करना ही सबसे जरूरी है।'

हरमनप्रीत ने कहा कि चीन के खिलाफ मैच से उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कहा, 'यह एक कठिन मैच था, लेकिन जीतना जरूरी था। आखिरी सीटी तक हम संघर्ष करते रहे। यह हमारे लिए एक अच्छा सबक है।' भारतीय कप्तान ने कहा कि टीम

की रक्षा पंक्ति को अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'ज्यादातर टीमें जवाबी हमला करने का इंतजार करती है। यह हमारे लिए एक अच्छा सबक है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी रक्षापंक्ति मजबूत रहे।'

एशियाई निशानेबाजी: मानिनी को 50 मीटर राइफल प्रोन में कांस्य, महिला टीम ने जीता रजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिमकेंट = युवा भारतीय निशानेबाज मानिनी कौशिक ने शुक्रवार को यहां एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल करने के साथ ही टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने में भी अहम भूमिका निभाई। मानिनी का व्यक्तिगत स्पर्धा में यह पहला अंतरराष्ट्रीय पदक है।

जयपुर की 24 साल की इस निशानेबाज ने 617.8 के स्कोर के साथ व्यक्तिगत कांस्य पदक जीता। दक्षिण कोरिया की हाना इम (620.2) और यूनसेओ ली (620.2) ने क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते। मानिनी ने प्रतियोगिता में पांचवां स्थान हासिल किया था, लेकिन उनसे आगे रहने वाले दो निशानेबाज दक्षिण कोरिया की येलीन चोई (620.1) और भारत की सिफ्त कौर सामरा (617.9) सिर्फ रैंकिंग अंक (आरपीओ) के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। आरपीओ निशानेबाज केवल अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग अंक के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। मानिनी ने 10-10 शॉट के छह सीरीज में 104.0, 103.8, 101.2, 103.3, 103.2 और 102.3 का स्कोर किया। उन्होंने 50 मीटर राइफल प्रोन(गैर-ओलंपिक स्पर्धा) में टीम को रजत पदक दिलाने में भी मदद की। मानिनी (617.8), सुरभि भारद्वाज (614.4) और विनोद विदर्सा (613.8) की तिकड़ी ने कुल 1846 अंक के साथ रजत पदक हासिल किया। दक्षिण कोरिया (1856.8 अंक) ने स्वर्ण पदक जीता जबकि कजाकिस्तान 1828.2 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

भारत की प्राची गायकवाड़ ने 616.6 के स्कोर के साथ जूनियर महिला 50 मीटर राइफल प्रोन में रजत पदक जीता। स्वर्ण पदक दक्षिण कोरिया की सेही ओह (618.6) ने जीता, जबकि कांस्य कजाकिस्तान की सोफिया मलकिना (616.3) को मिला। प्राची (616.6), अनुष्का ठेकुर (607.6) और तेजल नथावत (599.2) की तिकड़ी ने कुल 1823.4 के साथ टीम कांस्य पदक जीता। दक्षिण कोरिया (1844 अंक) के साथ ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि कजाकिस्तान (1830.1) ने रजत पदक अपने नाम किया।

एशिया कप के लिए बीसीसीआई का बड़ा फैसला, पांच खिलाड़ी नहीं जाएंगे दुबई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने फैसला किया है कि एशिया कप 2025 के लिए 5 स्टैंडबाय खिलाड़ियों यशस्वी जायसवाल, प्रसिद्ध कृष्णा, वाशिंगटन सुंदर, रियान पराग और ध्रुव जुरेल मुख्य टीम के साथ दुबई नहीं जाएंगे।

सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम अपने एशिया कप अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को ग्रुप ए में श्र के खिलाफ करेगी। इसके बाद 14 और 19 सितंबर को क्रमशः पाकिस्तान और ओमान के खिलाफ मैच होंगे। BCCI ने इस महीने की शुरुआत में 15 सदस्यीय एक मजबूत टीम की घोषणा की थी जिसमें शुभमन गिल को उप-कप्तान बनाना गया है। समाचार एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार जायसवाल, प्रसिद्ध, सुंदर, पराग और जुरेल 9 सितंबर से शुरू होने वाले इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए मुख्य टीम के साथ यात्रा नहीं करेंगे। पीटीआई ने BCCO के एक सूत्र के हवाले से कहा, 'नहीं, स्टैंडबाय खिलाड़ी मुख्य टीम के साथ दुबई नहीं जाएंगे।' आमतौर पर तय की गई परंपरा से हटकर खिलाड़ी अपने-अपने स्थानों से अलग-अलग समय पर दुबई पहुंचेंगे, जबकि अन्य मौकों पर टीम रवाना होने से पहले मुंबई में इकट्ठा होती थी। यह निर्णय खिलाड़ियों की यात्रा की सुविधा और व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। एक वरिष्ठ बीसीसीआई अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर पीटीआई को बताया, 'सभी खिलाड़ी 4 सितंबर की शाम तक दुबई पहुंच जाएंगे और पहला नेट्स सत्र 5 सितंबर को ICC अकादमी में होगा। व्यवस्थाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों को अपने-अपने शहरों से दुबई आने की अनुमति दी जाएगी।' उन्होंने आगे कहा, 'जाहिर है कि कुछ लोग मुंबई से यात्रा करेंगे, लेकिन कुछ अन्य लोगों से पहले मुंबई आने और फिर दुबई जाने के लिए कहना बेतुका है। वैसे भी दुबई की उड़ान अन्य अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की तुलना में कम समय की है।'

एशिया कप के लिए भारतीय स्क्वॉड

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, कुलदीप यादव और हर्षित राणा

बिन्नी ने बीसीसीआई अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया, राजीव शुक्ला बने कार्यवाहक अध्यक्ष

मुम्बई (एजेंसी)। राजीव शुक्ला भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के कार्यवाहक अध्यक्ष बने हैं। इससे पहले रोजर बिन्नी ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। अब नए अध्यक्ष का चुनाव होने तक शुक्ला ही बीसीसीआई के प्रमुख रहेंगे। वह पिछले काफी समय से उपाध्यक्ष पद संभाल रहे हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार बुधवार को बीसीसीआई की एपेक्स कमिटी की शीर्ष परिषद की बैठक की अध्यक्षता भी शुक्ला ने ही की थी। इस बैठक में प्रायोजक का मामला भी उठा। इसके तहत ड्रीम11 के हटने के बाद नये प्रायोजक की तलाश को लेकर भी बाह हुई।

वहीं रिपोर्ट के अनुसार एशिया कप से पहले प्रायोजक मिलना संभव नही है क्योंकि उसमें अब दो सप्ताह का समय ही है। इससे पहले नई निविदा निकालना, कानूनी प्रक्रिया का पालन करना और बाकी तकनीकी चीजों को पूरा करना संभव नहीं है। केवल एशिया कप के लिए अलग प्रायोजक लाने की संभावना को भी बोर्ड ने खारिज कर दिया।। बोर्ड का लक्ष्य 2027 के एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए प्रायोजक लाने का है। राष्ट्रीय खेल प्रशासन कानून बन जाने के बाद भी बीसीसीआई को अगले महीने अपनी सालाना आम बैठक करने के साथ ही चुनाव भी कराने की आजादी है।

बीसीसीआई चुनाव में देर नहीं करना चाहेगी। इसका कारण है कि सरकार ने जो खेल कानून बनाया है, अभी उसकी अधिसूचना जारी नहीं की गई है। उसे अधिसूचित होने में कुछ महीने लग सकते हैं इसी को देखते हुए बीसीसीआई चुनाव नहीं टालेगी ताकि तय समय से पहले नया अध्यक्ष कामकाज संभाल ले। अभी बीसीसीआई का प्रशासन लोढ़ा समिति की सिफारिशों पर आए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बने संविधान के हिसाब से चलता है। ऐसे जब तक संसद से पारित नए खेल कानून की अधिसूचना जारी नहीं हो जाती, तब तक बीसीसीआई और राज्य क्रिकेट संघों को

उसी संविधान से काम करना होगा। वर्तमान कानून के तहत 70 साल की उम्र में बोर्ड में किसी पद पर नहीं रहा जा सकता। इसी कारण बिन्नी को इस्तीफा देना पड़ा था।

रोहित और विराट को गेंदबाजी करना सबसे कठिन रहा : वुड

लंदन। इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज मार्क वुड ने कहा है कि अपने करियर के दौरान उनके लिए भारतीय टीम के रोहित शर्मा और विराट कोहली के अलावा ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और मिशेल मार्श को गेंदबाजी करना सबसे मुश्किल रहा है। वुड ने रोहित की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें लगता था कि वह शॉर्ट गेंदों के साथ रोहित के खिलाफ सफल हो सकते हैं पर ऐसा नहीं हुआ और रोहित ने उन गेंदों पर कई लंबे छक्के लगा दिये थे। वुड ने कहा, अपने करियर के अलग-अलग अवसरों पर मैंने रोहित की क्षमता देखी है। शार्ट गेंद के सामने आपको लगता है कि उन्हें आउट करने का अवसर है पर अगर वो उस दिन लय में हो तो वह आक्रामक बल्लेबाजी करते है। इसलिए उन्हें आउट करना कठिन था। मुझे हमेशा लगता था कि उनका बल्ला बड़ा होता जा रहा है। रोहित के साथ ही वुड ने विराट कोहली को भी सबसे कठिन बल्लेबाज बताया है। वुड ने कहा कि कोहली अपने करियर के शुरुआती दौर में ऑफ स्टंप के बाहर कमजोर रहे हैं पर मैं उससे लाभ नहीं उठा पाया। वुड ने साथ ही कहा, कोहली अविश्वसनीय प्रतिस्पर्धी रहे, ऐसा खिलाड़ी जिसके बारे में मुझे लगता था कि चौथे और पांचवे स्टंप पर उसकी कमजोरी है। लेकिन जब भी मैंने उसे वहां गेंदे फेंकी, तो वह एक भी गेंद छोड़ते नहीं दिखे।

पाक टीम एशिया कप के फाइनल में नहीं पहुंचेगी : कनेरिया

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने कहा है कि पाक टीम अगले माह 9 सितंबर से शुरु हो रहे एशिया कप के फाइनल में नहीं नहीं पहुंचेगी। यूएई में स्पिनरों की सहायक पिचों पर होने जा रहे एशिया कप में कुल 8 टीमें खेलेंगी, जिन्हें चार-चार टीमों के दो समूहों में बांटा गया है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले कई दिग्गज क्रिकेटरों ने इसको लेकर अपनी भविष्यवाणी की है। वहीं इसी कड़ी में पाक के पूर्व स्पिनर कनेरिया ने कहा है कि उनकी टीम पाकिस्तान फाइनल में नहीं पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम फाइनल में पहुंचेगी जहां उसका मुकाबला अफगान टीम से होगा। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में शामिल हैं। ऐसे में संभावना जतायी जा रही है कि इस ग्रुप से यही दोनों टीमें सुपर 4 में जाएंगी। ग्रुप स्टेज में भारत बनाम पाकिस्तान मैच 14 सितंबर को है। वहीं अगर दोनों सुपर-4 में पहुंची तो दूसरा मैच इन दोनों टीमों के बीच 21 सितंबर को होगा। वहीं कनेरिया को नहीं लगता कि इस बार पाक सुपर 4 तक पहुंचेगी।

धवन ने खेल दिवस पर दिया विशेष संदेश

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भेजी इसमें धवन ने लिखा जितना अधिक खेलोगे, उतना अधिक सीखोगे, उतना अधिक जीतोगे। पूर्व सलामी बल्लेबाज धवन ने इसके साथ ही क्रिकेट, फुटबॉल, पूल, घुड़सवारी और यहां तक कि पिकलबॉल खेलते हुए क अपनी तस्वीरें भी प्रशंसकों के साथ शेयर की हैं। इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने प्रशंसकों को खेलों में अलग-अलग तरीकों से सक्रिय रहने के अपने जुनून से भी परिचित कराया। उनके खेलों को लेकर दिये संदेश ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे खेल जीवन के विभिन्न सबक सिखाते हैं, इसमें बताया गया है कि प्रत्येक खेल और मैच व्यक्तिगत विकास और लचीलेपन में योगदान देता है। धवन की पोस्ट न केवल अपनी जीवंत तस्वीरों के लिए, बल्कि व्यापक संदेश के लिए भी प्रशंसकों के दिलों में छायी है। इसमें ये संदेश है कि खेल केवल स्टेडियमों तक सीमित नहीं हैं; ये अनुशासन, टीम वर्क और क्षमताओं को बताते हैं। गौरतलबह हैकि हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के सम्मान में 29 अगस्त को हर साल राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। ये खेलों की एकजुटता, प्रेरणा और उत्थान की शक्ति की याद दिलाता है। राष्ट्रीय खेल दिवस स्वास्थ्य, फिटनेस और खेल उत्कृष्टता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के एक मंच के रूप में विकसित हुआ है। साल 2019 में फिट इंडिया मूवमेंट की शुरुआत के साथ यह दिन एक व्यापक फिटनेस क्रांति में बदल गया है।

यह संदेश हर किसी तक स्पष्ट रूप से पहुंच जाना चाहिए, शुभमन गिल की कप्तानी पर बोले पठान

भुवनेश्वर (ओडिशा) (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क = रोहित शर्मा के संन्यास के बाद जब शुभमन गिल को भारत का नया टेस्ट कप्तान घोषित किया गया तो कुछ लोगों ने हैरानी जताई थी, खासकर यह देखते हुए कि इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान खराब फॉर्म के कारण उन्हें कुछ समय के लिए टीम से बाहर कर दिया गया था। हालांकि 25 वर्षीय इस खिलाड़ी ने खुद को एक योग्य कप्तान और भारतीय बल्लेबाजी क्रम का करिश्माई खिलाड़ी साबित किया जिससे टीम को एक ऐतिहासिक सीरीज में 2-2 से बराबरी पर लाया गया और खुद भी इस सीरीज में रिकॉर्ड तोड़ 754 रन बनाए।

गिल अभी तक टी20 और वनडे में कप्तान नहीं हैं। सूर्यकुमार यादव टी20 टीम की कमान संभालते हैं जबकि रोहित शर्मा 50 ओवरों के प्रारूप में कप्तान बने हुए हैं, हालांकि टीम में उनकी जगह को लेकर सवाल उठ रहे हैं, मुख्यतः इसलिए क्योंकि उन्होंने इस साल पर्याप्त क्रिकेट नहीं खेला है। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने कहा है कि खिलाड़ियों को यह स्पष्ट होना चाहिए कि लंबे समय में टीम की कमान कौन संभालेगा, भले ही इस समय तीन अलग-अलग कप्तान हों। पठान ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह संदेश हर खिलाड़ी तक, मीडिया या प्रशंसकों से ज्यादा, जोरदार और स्पष्ट रूप से पहुंच जाना चाहिए कि इस ट्रेन का इंजन कौन है ताकि ट्रेन एक ही मंजिल तक पहुंचे, चाहे उसकी गति कितनी भी हो। शुभम गिल की कप्तानी समय के साथ बेहतर होती जाएगी, वह नेतृत्व की कला और सीखेंगे, लेकिन उन्होंने जो किया है वह शानदार है।' गिल को व्यापक रूप से तीनों प्रारूपों में कप्तानी संभालने के लिए तैयार माना जा रहा है। सूर्यकुमार दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाजों में से एक हैं, लेकिन वह 34 साल के हैं जबकि रोहित 38 साल के हैं। पठान को लगता है कि कप्तानी के मामले में भारत ने लंबे समय तक अपनी जगह बना ली है। पठान ने कहा, '(गिल) उनकी बल्लेबाजी क्षमता भी अच्छी है। वह एकदिवसीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और वहां उप-कप्तान हैं। अब टी20 क्रिकेट में जो वह पिछले एक साल से नियमित रूप से खेल रहे थे, वह भी शामिल हैं। चयन समिति ने उनसे चर्चा की थी कि जैसे ही आप टेस्ट क्रिकेट से मुक्त होंगे, आपको वापसी का मौका मिलेगा। मैं समझता हूं कि मीडिया में कई सवाल उठ रहे हैं, लेकिन भारतीय क्रिकेट एक योजना के अनुसार चलता है और हमेशा से ऐसा ही रहा है। चयन बोर्ड और प्रबंधन की जिम्मेदारी है और मुझे लगता है कि एक ही दिशा में आगे बढ़ना जरूरी है। ऐसा लग रहा है कि भारतीय क्रिकेट इस समय शुभमन गिल के साथ यही कर रहा है।'

एशिया कप में बुमराह सहित ये तीन खिलाड़ी निभाएंगे अहम भूमिका : सहवाग

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि अगले माह होने वाले एशिया कप में अभिषेक शर्मा, जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती एक्स फैक्टर होंगे। सहवाग के अनुसार भारतीय टीम यूएई में होने वाले इस टूर्नामेंट में जीत की प्रबल दावेदार है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। सहवाग ने कहा कि तेज गेंदबाज बुमराह के अलावा आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शुरुआत में ही विरोधी टीम पर दबाव बना देंगे। वहीं आईपीएल में मिस्ट्री स्पिनर के नाम से पहचान बनाने वाले वरुण चक्रवर्ती रही सही कसर पूरी कर देंगे। अभिषेक ने अब तक के सफर में भारतीय टीम की ओर से कई आक्रामक पारियां खेली हैं। वहीं वरुण ने चैंपियंस ट्रॉफी में स्पिन गेंदबाजी से विरोधी बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया था। इससे भारतीय टीम ट्रॉफी जीती थी। सहवाग ने कहा, 'मुझे लगता है कि अभिषेक और बुमराह व वरुण मैच में बदलाव ला सकते हैं।' बुमराह ने पिछले साल के टी20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने टूर्नामेंट के दौरान 15 विकेट लिए थे। 70 टी20आई में, उनके पास 17.74 की औसत से 89 विकेट हैं। वहीं दूसरी ओर अभिषेक ने 17 मैचों में 193.84 की शानदार स्ट्राइक रेट से 535 रन बनाए हैं। इसमें दो शतक और दो अर्धशतक हैं। वहीं वरुण ने 15 टी20 में 33 विकेट लिए हैं। उनकी फिरकी का सामना करना बड़े-बड़े बल्लेबाजों के बस की बात नहीं होती।

आईपीएल में जो भी टीम खरीदेगी उससे खेलने के लिए तैयार हैं शमी

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा है कि वह आईपीएल के अगले सत्र में किसी भी टीम से खेलने के लिए तैयार हैं। पिछले साल उन्हें सनराइजर्स ने मेगा नीलामी में 10 करोड़ रुपये में खरीदा था पर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। शमी ने 9 मैच खेले और 56.16 की औसत से केवल 6 विकेट ही ले लिए थे। ऐसे में शमी को लगता है कि आईपीएल के इस सत्र में सनराइजर्स उन्हें शायद ही रिटेन करे। इसी को देखते हुए उनका कहना है कि वह किसी भी टीम से खेल सकते हैं। शमी ने कहा, मैं किसी भी टीम के लिए खेलने को तैयार हूं। जो भी मेरे लिए नीलामी में बोली लगायेगा। साथ ही कहा कि मेरे हाथ में कुछ नहीं है। यह आईपीएल है, क्रिकेट का उत्सव और प्रशंसकों के लिए मनोरंजन है। जो भी इसमें आपके लिए बोली लगाए, उसके साथ जाना होगा।गौरतलब है कि शमी ने आईपीएल में सर्वश्रेष्ठ 2023 सत्र में गुजरात टाइटन्स की ओर से किया था। इस सत्र में उन्होंने 17 मैचो में 18.64 की औसत से 28 विकेट लिए हैं। इसी सत्र में शमी ने पर्पल कैप भी हासिल की है। अपने पहले ही आईपीएल सत्र 2022 में, उन्होंने 24.40 की औसत से 20 विकेट लिए हैं।

हसरंगा के बिना ही जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में उतरेगी श्रीलंकाई टीम

कोलंबो। श्रीलंका के गेंदबाजी ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा चोटिल होने के कारण अगले माह जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली दो एकदिवसीय और तीन मैचों की टी20 सीरीज से बाहर हो गये हैं। हसरंगा का अब 9 सितंबर से यूएई में होने वाले एशिया कप में खेलना भी संदिग्ध है। जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के लिए श्रीलंकाई टीम घोषित कर दी गई है। हसरंगा को जुलाई में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। वह अभी भी पूरी तरह से चोट से नहीं उबर पाए हैं। गत माह जुलाई से ही हसरंगा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर नहीं खेल पाये हैं। वह एक अच्छे स्पिनर होने के साथ ही निचले क्रम के बेहतरीन बल्लेबाज हैं। ऐसे में जिम्बाब्वे दौरे पर टीम के लिए उनकी कमी पूरी करना आसान नहीं होगा। ऐसे में स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी महिश तिक्षाणा और दुनिथ वेल्लालागे के पास रहेगी। वहीं तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को भी टी20 टीम में शामिल किया गया है। लंकाई टीम साल 2008 के बाद पहली बार जिम्बाब्वे जाएगी। एकदिवसीय सीरीज के दो मैच 29 अगस्त और 31 अगस्त को हरारे में होंगे। वहीं, तीन टी20 मैच 3, 6 और 7 सितंबर को हरारे में ही खेले जाएंगे।

श्रीलंका टी20 टीम इस प्रकार है = चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, नुवानिदु फर्नांडो, कामिंदु मेंडिस, कामिल मिशारा, विशेन हलंबगे, दासुन शनाका, दुनिथ वेल्लालागे, चमिका करुणारत्ने, महीश तिक्षाना, दुशान हेमंथा, दुशमंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा और मथीशा पथिराना।

श्रीलंकाई एकदिवसीय टीम = चरिथ असलंका (कप्तान), पथुम निसांका, निशान मदुष्का, कुसल मेंडिस, सदीरा समाराविक्रमा, नुवानिडु फर्नांडो, कामिंदु मेंडिस, जेनिथ लियानेज, पवन रत्नायके, दुनिथ वेल्लालागे, मिलन रथनायके, महेश दीक्षाना, जेफरी वेंडरसे, असिथा फर्नांडो, दुष्मंथा चमीरा और दिलशान मदुशंका।

औसत से कम प्रदर्शन, नीरज चोपड़ा डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे

ज्यूरिख (एजेंसी)। विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा ने गुरुवार रात अपने छठे और अंतिम प्रयास में रात का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 85.01 मीटर भाला फेंका और सीजन के आखिरी डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा दो वैध थ्रो और तीन फाउल के साथ 84.35 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन अपने आखिरी प्रयास में केशोर्न वालकॉट को पछाड़कर दूसरे स्थान पर आ गए। उपविजेता स्थान हासिल करने से भारतीय दिग्गज और मौजूदा विश्व चैंपियन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार 26 बार शीर्ष दो में रहने के अपने अविश्वसनीय क्रम को भी बरकरार रखने में मदद मिली।

अक्टूबर में टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप से कुछ हफ्ते पहले आयोजित एक प्रतियोगिता में चोपड़ा पिछले साल जीता गया अपना खिताब बरकरार रखने में नाकाम रहे और 84.35 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे, जो इस स्विस शहर में 7 खिलाड़ियों के बीच उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 90.23 मीटर से कम था।

गत विजेता चोपड़ा को अपनी लय पाने में संघर्ष करना पड़ा और अपनी तकनीक में गलतियां करते हुए वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए संघर्ष करते रहे। अंतिम विजेता जूलियन वेबर पहले ही दौर में अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ और विश्व-अग्रणी दूरी हासिल करने में सफल रहे। उन्होंने जोरदार थ्रो से भाला 91.37 मीटर पर पहुंचा दिया, जो उनके पिछले सर्वश्रेष्ठ 90.06 मीटर से बेहतर था, जिसने पहले कुछ मिनटों में ही प्रतियोगिता को समाप्त कर दिया।

पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स 82.06 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे क्योंकि वेबर को छोड़कर अधिकांश अन्य दो दिवसीय प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में विफल रहे। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक और पिछले साल पेरिस में रजत पदक जीतने वाले 27 वर्षीय चोपड़ा ने अपने पहले प्रयास में 84.35 मीटर का थ्रो फेंका, जिससे वह जर्मनी के जूलियन वेबर (91.37 मीटर) और त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वाल्कोट (84.95 मीटर) के बाद तीसरे स्थान पर रहे।

वालकोट और चोपड़ा दोनों ने 79.91 मीटर और 82.00 मीटर के थ्रो फेंके, वेबर 91.51 मीटर के थ्रो के साथ आगे बढ़े जिसने लगभग उनके लिए पहला स्थान तय कर दिया। उन्होंने और चोपड़ा दोनों ने अपने तीसरे प्रयास में फाउल किया, जबकि भारतीय के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने अपने अगले प्रयास में भी फाउल किया। वेबर (83.66 मीटर) और वाल्कोट (81.78 मीटर) ने ऐसे थ्रो फेंके जिनका समग्र परिणाम पर कोई असर नहीं पड़ा।

चोपड़ा ने अपने पांचवें प्रयास में भी फाउल किया जबकि वाल्कॉट ने 77.00 मीटर का औसत थ्रो किया और वेबर ने 86.45 मीटर के साथ प्रतियोगिता का तीसरा सर्वश्रेष्ठ

थ्रो किया। उन्होंने अंतिम प्रयास में छठे और अंतिम थ्रो के साथ वाल्कॉट को पीछे छोड़ दिया। चोपड़ा ने जून में पेरिस में 88.16 मीटर के प्रयास के साथ प्रथम स्थान प्राप्त करके डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। उन्होंने मई में दोहा में 90.25 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ और राष्ट्रीय रिकॉर्ड थ्रो किया था, जो 90 मीटर के निशान से आगे उनका पहला प्रयास था, और ज्यूरिख में फिर से 90 मीटर का आंकड़ा पार करने की उम्मीद कर रहे थे।

मुख्यमंत्री की टिप्पणी पर वाहन चालक संघ ने जताया रोष

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

अखिल राजस्थान राज्य वाहन चालक एवं तकनीकी कर्मचारी संघ की बैठक आज प्रदेश कार्यालय, जयपुर में हुई, जिसमें प्रदेश व जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी तथा उप शाखा अध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा वाहन चालकों पर की गई टिप्पणी को निराधार और अपमानजनक बताते हुए गहरा रोष व्यक्त किया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि राजकीय वाहन चालक दिन-रात अधिकारियों और मंत्रियों के साथ यात्रा कर सेवाएं देते हैं। उनकी ड्यूटी सबसे लंबी होती है, फिर भी उन्हें न्यूनतम लाभ और पदोन्नति से वंचित रखा गया है। ऐसे में मुख्यमंत्री की टिप्पणी निश्चित रूप से मनोबल गिराने वाली है। संघ के प्रदेशाध्यक्ष अजयवीर सिंह ने कहा कि सरकारी वाहन चालक हमेशा जिम्मेदारी और गोपनीयता का निर्वहन करते आए हैं। मुख्यमंत्री का यह वक्तव्य अल्प वेतनभोगी कर्मचारियों के आत्मसम्मान पर आघात है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 3 सितंबर को सभी जिला अध्यक्ष, जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन देंगे। इस दौरान वाहन चालक काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराएंगे। बैठक में अजयवीर सिंह, ज्ञानचंद जांगिड़, सतपाल सिंह, लीलाधर गुर्जर, महेंद्र सिंह, विजय सिंह, रूप सिंह गौड़ सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मचकुंड मेले का दूसरा दिन, श्रद्धालुओं की उमड़ी आस्था

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा धौलपुर

मचकुंड मेले का दूसरा दिन श्रद्धा और उत्साह से भरा रहा। सुबह से ही लाखों की संख्या में श्रद्धालु सरोवर पर पहुंचे और जयकारों की गूंज के बीच आस्था की डुबकी लगाई। रिमझिम बारिश भी उनके उत्साह को रोक नहीं सकी। श्रद्धालु वर्षा में भीगते हुए महाराज मचकुंड के जयकारों के साथ सरोवर तक पहुंचे। मेले के मार्ग पर जगह-जगह सामाजिक संगठनों और व्यापार मंडलों की ओर से भंडारे सजाए गए, जहां पूरी-सब्जी, खीर, मालपुआ, जलेबी-कचोरी से लेकर शरबत तक श्रद्धालुओं को परोसा गया। भक्त बड़ी श्रद्धा और आत्मीयता से प्रसादी ग्रहण करते नजर आए। प्रशासन ने भी व्यवस्थाओं को मजबूत बनाए रखा। जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी और पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने मेले का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। घाटों पर पुलिस बल की विशेष तैनाती, सीसीटीवी कैमरों से निगरानी और चिकित्सा दल की तैनाती की गई। राजस्थान सहित पड़ोसी राज्यों से आए श्रद्धालुओं के कारण पूरा मेला भक्तिमय वातावरण से सराबोर नजर आया।

राजाखेड़ा में किसानों ने सौंपा ज्ञापन, जमीन अधिग्रहण मुआवजा बढ़ाने की उठाई मांग

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा धौलपुर

राजाखेड़ा उपखंड के नादोली गांव के किसानों ने हाईवे निर्माण में जा रही जमीन के उचित मुआवजे की मांग को लेकर शुक्रवार को एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने बताया कि प्रस्तावित हाईवे में उनकी उपजाऊ सिंचित कृषि भूमि जा रही है, जो उनके परिवार की आजीविका का मुख्य आधार है। किसानों का कहना है कि सरकार द्वारा दी जा रही मुआवजा राशि बेहद कम है। उन्हें करीब चार लाख अस्सी हजार रुपए प्रति बीघा मुआवजा दिया जा रहा है, जबकि गांव में जमीन की वास्तविक कीमत 15 से 20 लाख रुपए तक है। किसानों ने कहा कि इतनी कम राशि मिलने से उनका भविष्य अंधकारमय हो जाएगा और परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए मुआवजा राशि को बढ़ाया जाए, ताकि परिवार का भरण-पोषण और आगे की आजीविका सुचारू रूप से चल सके। ज्ञापन देने वालों में सत्यवीर, मोहर सिंह, शिवाकांत, राधेश्याम, हरीशंकर, हीरा सिंह, वीरीसिंह, दिनेश सिंह और राजहंस सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

टंकी पर चढ़ा युवक, बोला- भाई नहीं दे रहे हिस्सा, किराये के घर में रह रहे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भरतपुर

भरतपुर के कोतवाली इलाके में मकान और जमीन विवाद के चलते एक युवक पानी की टंकी पर चढ़ गया। उसके 2 बच्चे और पत्नी नीचे बैठे थे। सूचना पर एडिशनल एसपी और थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। करीब डेढ़ से 2 घंटे तक समझाइश की गई, जिसके बाद युवक को टंकी से नीचे उतारा गया। युवक की पत्नी ने बताया कि मेरे पति के भाई पैतृक जमीन और मकान में हिस्सा नहीं दे रहे है। इसके कारण हमारे परिवार को किराये के मकान में रहना पड़ रहा है। हालांकि यह कहते हुए महिला अचेत हो गई, जिसे पास के हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया, जहां फिलहाल हालत ठीक है। हरिओम निवासी अऊ गेट डीग ने बताया कि मेरे बड़े भाई राजेंद्र, बबलू, गुड्डू, संजू मेरे पिता के मकान और जमीन में हिस्सा नहीं दे रहे। उन्होंने मेरे परिवार को घर से बाहर निकाल दिया है। इसलिए मुझे अपने परिवार के साथ भरतपुर कमल पूरा में किराये के मकान में रहना पड़ रहा है। हमारा यह मामला कोर्ट में लंबित है। हरिओम ड्राइवर की नौकरी करता है और अपने परिवार को पालता है। हरिओम और अंशु के दो बच्चे हैं। एएसपी सतीश यादव ने बताया- हरिओम का आपसी मकान और जमीन का विवाद चल रहा है। इसका मामला कोर्ट में लंबित चल रहा है। कोर्ट ही इसका फैसला करेगा। हरिओम इस मामले को लेकर पानी की टंकी पर चढ़ गया था। करीब 2 घंटे की समझाइश के बाद नीचे उतारा गया।

राठौड़ बोले- एसआई -भर्ती पर कोर्ट फैसलें की सरकार करेगी समीक्षा, किरोड़ी और बेनीवाल के विवाद पर कहा- मर्यादा नहीं लांघनी चाहिए

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बाड़मेर

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ शुक्रवार को बाड़मेर-जैसलमेर एक दिवसीय दौर पर रहे है। मीडिया से बातचीत में उन्होंने एसआई भर्ती पर आए फैसले को लेकर कहा कि पार्टी और सरकार इसका रिव्यू कर जनहित में फैसला करेगी। इसके साथ ही उन्होंने डॉ. किरोड़ीलाल मीणा और सांसद हनुमान बेनीवाल के बीच चल रहे विवाद को लेकर कहा कि सभी की अपनी-अपनी सोच है। मर्यादा नहीं लांघनी चाहिए। दरअसल, राठौड़ शुक्रवार को सुबह ट्रेन से पहुंचे। इसके बाद बीजेपी के पदाधिकारी ललित बोथरा के घर पर उनके पिता के देहावसान पर श्रद्धांजलि देकर पुष्प अर्पित किए। यहां से वे बाड़मेर-जैसलमेर मोहनगढ़ पूर्व सांसद सोनाराम चौधरी के निवास स्थान पहुंचे। वहां पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके बाद रामदेवरा मंदिर दर्शन भी किए।

पार्टी और सरकार कोर्ट निर्णय की विवेचना करके उचित निर्णय करेगी

हर कोई एसआई भर्ती रद्द कराने के क्रेडिट लेने पर सवाल का जवाब देते हुए राठौड़ ने कहा- हमें कोई क्रेडिट नहीं लेना है। हमने इसके लिए कोशिश भी नहीं की है। हमारी पार्टी ने ऐसा कोई प्रयास नहीं किया। हमारी पार्टी और सरकार ने वहीं किया जो जनहित में ठीक लगा। हमने यह भी सोचा था कि ईमानदारी से जिस व्यक्ति ने मेहनत की, सही तरीके से नौकरी प्राप्त की है। जिसकी 33 साल की उम्र पार हो जाएगी, उसे जीवन में दोबारा अवसर मिलने वाला नहीं है। इसको ध्यान में रखकर हमने जांच की और दोषियों को दंजेलों में भेजा। कोर्ट का निर्णय है उसकी विवेचना करेंगे। वे बोले- एसआई भर्ती रद्द के सवाल पर राठौड़ ने कहा- राजस्थान की सरकार ने सोच-समझ कर फैसला किया था। लेकिन कोर्ट का निर्णय का है उसकी समीक्षा करनी पड़ेगी। कोर्ट का निर्णय स्वीकार्य है। कोर्ट के निर्णय का विवेचना करके कानूनी आधार पर क्या कर सकते है। राजस्थान सरकार जनहित में सबका ध्यान रखते हुए निर्णय करेगी। किसी के साथ कुठाराघात नहीं हो इसके लिए प्रयास किया जाएगा।

किरोड़ी-बेनीवाल के विवाद पर बोले- आपसी वैमनस्य नहीं बढ़ाना चाहिए

मीडिया बातचीत में राठौड़ ने मंत्री किरोड़ीलाल मीणा और हनुमान के बीच हुई तीखी नोक झोंक पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा- मैंने केवल सुना है। किसी भी राजनेता आपसी वैमनस्य इतना नहीं बढ़ना चाहिए। कोर्ट का निर्णय है उसको उसकी अनुसार देखना चाहिए। आपस में कटुता बढ़ती जा रही है वो ठीक बात नहीं है। राजनीति में इसका कोई स्थान नहीं है। विचार, नीतिगत सोच अपनी-अपनी अलग-अलग हो सकती है। मर्यादा नहीं लांघनी चाहिए।

पीएम मोदी को लेकर अभद्र शब्द बोलने वालों को राजनीति से बहिष्कृत करना चाहिए

वोट चोरी के सवाल पर राठौड़ ने कहा- फालतू की बातें करते है वो लोग, जिनके पास वोट ही नहीं है। मेरा तो इतना कहना है कि आप राहुल गांधी और उनकी टीम की बुद्धिमत्ता पर सवाल उठते है। पीएम नरेंद्र मोदी की माताजी के नाम से अभद्र शब्दों का प्रयोग करते है। राजनीति में इससे हल्का और घटिया कोई स्तर पर हो नहीं सकता है। किसी भी राजनेता को मातेश्री है उनके बारे में ऐसे शब्दों का प्रयोग करते है।

अंतिम फैसला आना बाकी है', मंत्री शेखावत बोले- एसआई भर्ती मामले में अब 'सफेदपोश' होंगे बेनकाब

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जोधपुर

केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शुक्रवार को जोधपुर दौरे पर रहे। एसआई भर्ती 2021 पर टिप्पणी करते हुए कहा कि कोर्ट ने इस भर्ती परीक्षा को रद्द किया है, लेकिन अभी अंतिम फैसला आना बाकी है। शेखावत ने कहा कि इस भर्ती घोटाले की जांच अभी एसओजी कर रही है। हमें कोर्ट के निर्णय का सम्मान करते हुए जांच पूरी होने तक का इंतजार करना चाहिए। भाजपा का संकल्प था कि युवाओं के भविष्य के साथ में खिलवाड़ करने वाले हर व्यक्ति को उसके किए की सजा मिले। कोर्ट ने इस भर्ती परीक्षा को रद्द करते हुए टिप्पणी में कहा कि पूरी भर्ती परीक्षा में RPSC के मेंबर भी शामिल है। उनका मानना है कि यह छोटी मछलियां है। अभी बड़ी मछलियों के नाम सामने आना बाकी है। जांच पूरी होने दीजिए इसके बाद कई सफेदपोश लोग भी जेल की सलाखों के पीछे देखने को मिलेंगे। शेखावत ने एसआई भर्ती परीक्षा को रद्द करने के मामले में नेताओं द्वारा क्रेडिट लेने की कोशिशों पर कहा कि सरकार के जांच प्रतिवेदन के आधार पर कोर्ट ने फैसला किया है, जिसका सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिनको हर चीज में राजनीतिक लाभ लेने की भूख रहती है, उनसे दूसरी अपेक्षा नहीं की जा सकती है। इसके साथ ही उन्होंने बिहार में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव द्वारा पीएम मोदी पर की गई टिप्पणी पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि संविधान की किताब जेब में रखते हुए वे संविधान का मखौल उड़ा रहे हैं। राहुल गांधी अब तक 100 से ज्यादा चुनाव अलग-अलग जगहों पर हार चुके हैं, इसलिए उनके मन में खीज है। उन्होंने कहा कि वे उनकी पार्टी के प्रति सहानुभूति रखते हैं और उन्हें आत्म अवलोकन की सलाह देते हैं। शेखावत ने अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ पर कहा कि भारत हर चुनौती को पार कर आगे बढ़ेगा।

झुंझुनूं में होटल में जुआ खेलते 10 लोग गिरफ्तार, 80 हजार से ज्यादा की नकदी जब्त

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा झुंझुनूं

झुंझुनूं में कोतवाली थाना इलाके में गुरुवार देर रात शहर के मिड टाउन होटल में दबिश देकर जुआ खेलते 9 लोगों सहित होटल कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 80 हजार 200 रुपए भी जब्त किए। यह कार्रवाई कोतवाल हरजिंद्र सिंह की अगुआई में की गई। पुलिस के मुताबिक, होटल कर्मचारी भरत सिंह चारण जुआ खिलाने में शामिल था और वही इस पूरे गोरखधंधे को चला रहा था। गिरफ्तार आरोपियों में 8 लोग झुंझुनूं शहर के रहने वाले हैं, जबकि एक आरोपी भीमसर गांव का निवासी है। इस कार्रवाई में एएसआई पवन के नेतृत्व में कॉन्स्टेबल संदीप बोरान, कॉन्स्टेबल महेंद्र, कॉन्स्टेबल सुशील, कॉन्स्टेबल योगेंद्र और कॉन्स्टेबल पुरुषोत्तम शामिल रहे। होटल में चल रहे जुए को लेकर पुलिस की यह कार्रवाई शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है। मिड टाउन होटल जैसे व्यस्त इलाके में इस तरह का अवैध कारोबार होना लोगों के लिए चौंकाने वाला रहा। पुलिस अब होटल प्रबंधन की भूमिका और जानकारी की भी जांच कर रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि होटल संचालक को इसकी भनक थी या नहीं।

दस लक्षण धर्म आत्म शोधन का पर्व: जैन मंदिरों में श्रद्धा और भक्ति का माहौल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा धौलपुर

दिगंबर जैन समाज द्वारा मनाए जा रहे दस लक्षण धर्म पर्व के अंतर्गत शुक्रवार को दूसरे दिन उत्तम मार्दव धर्म (श्रेष्ठ विनम्रता) की पूजा अर्चना संपन्न हुई। 28 अगस्त से शुरू हुआ यह पर्व 6 सितंबर तक चलेगा, जिसमें प्रतिदिन जैन धर्म के दस प्रमुख लक्षणों पर विशेष पूजा, प्रवचन और धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। सुबह जैन मंदिर में भगवान श्रीजी का स्वर्ण कलशों से अभिषेक किया गया। इस अवसर पर अशोक कुमार, जगदीश प्रसाद, राजकुमार जैन मनियां वाले परिवार को अभिषेक का सौभाग्य प्राप्त हुआ। शांति धारा का आयोजन दो चरणों में हुआ, जिसमें नगर और मनियां वाले परिवारों ने भाग लिया। आरती का सौभाग्य राजेंद्र कुमार जैन, आशीष कुमार जैन और वेदांत कुमार जैन मांगरोल वाले परिवार को मिला। श्रवण संस्कृति सांगानेर से पधारे भैया अवनीश शास्त्री ने उत्तम मार्दव धर्म पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका अर्थ है अहंकार का त्याग और सभी के प्रति विनम्रता का भाव रखना। विनम्रता से व्यक्ति में सहानुभूति और सम्मान की भावना का विकास होता है। यही गुण आत्मा की शुद्धि और मुक्ति के मार्ग का प्रमुख आधार है। शाम को मंदिर परिसर में सामूहिक आरती और प्रवचन का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में जैन समाज के सदस्य मौजूद रहे।

इस अवसर पर जैन समाज धौलपुर के अध्यक्ष धनेश कुमार जैन, मंत्री अमित कुमार जैन, उपाध्यक्ष प्रवास जैन, कोषाध्यक्ष पवन कुमार जैन सहित धर्मशाला के पदाधिकारी, व्यापारी, अधिवक्ता और विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। धनेश जैन ने बताया कि दस लक्षण पर्व आत्मशोधन और आत्मज्ञान का पर्व है। यह हमें कर्मों के नाश और मोक्ष की दिशा में अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। शनिवार को पर्व के तीसरे दिन जैन मंदिर धौलपुर में उत्तम आर्जव धर्म (श्रेष्ठ सरलता) की पूजा संपन्न होगी।

सीकर में युवक की मौत, 3 दिन बाद धरना खत्म, सीज करने का नोटिस लगाया गया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सीकर

सीकर के एसके हॉस्पिटल में इरफान अली की मौत के बाद न्याय की मांग को लेकर परिजनों, ग्रामीणों और एसएफआई कार्यकर्ताओं का तीन दिन से जारी धरना शुक्रवार को खत्म हो गया। प्रशासन के साथ आरोपियों की गिरफ्तारी और निष्पक्ष जांच की सहमति बनने के बाद प्रदर्शनकारी धरना उठाने को राजी हुए। वहीं, नगर परिषद ने मकान मालिक की बिल्डिंग के बाहर सीज का नोटिस चस्पा कर दिया है। उपजिला प्रमुख ताराचंद धायल ने बताया- तीन दिनों तक परिजन, ग्रामीण और एसएफआई कार्यकर्ता इरफान को न्याय दिलाने के लिए डटे रहे। गुरुवार को पुलिस ने मकान मालिक और ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आश्वासन दिया था। लेकिन मकान मालिक का नाम जानबूझकर हटा दिया गया। शुक्रवार को धरने के दबाव में पुलिस ने मकान मालिक के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की। साथ ही, नगर परिषद ने बिल्डिंग को सीज करने का नोटिस जारी किया। एसएफआई के प्रदेशाध्यक्ष विजेंद्र ढ़ाका ने कहा- इरफान के शव का पोस्टमार्टम कर सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनकी मुआवजे की कोई मांग नहीं थी। लेकिन अगर परिजनों को सरकारी सहायता मिलती है तो परिजनों को राहत मिलेगी। प्रशासन ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है। दरअसल, मंगलवार को फतेहपुर रोड पर निर्माणाधीन बिल्डिंग में शटरिंग का काम कर रहे 32 साल के मजदूर इरफान अली (लक्ष्मणगढ़) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। परिजनों का आरोप है कि ठेकेदार शव को हॉस्पिटल छोड़कर फरार हो गया। इसके बाद परिजन और ग्रामीण जांच की मांग को लेकर एसके हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी के बाहर धरने पर बैठ गए। गुरुवार को सैकड़ों ग्रामीणों ने सीकर एसपी ऑफिस का घेराव किया।

चूरू में अवैध शराब को बुलडोजर से किया नष्ट, कोतवाली पुलिस ने की थी जब्त

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा चूरू

चूरू में शुक्रवार शाम कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 500 कार्टन अवैध शराब को बुलडोजर से नष्ट किया। यह शराब 33 अलग-अलग मामलों में जब्त की गई थी। कोर्ट के आदेश के बाद इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। कोतवाली थानाधिकारी सुखराम चोटिया के अनुसार जिले के आबकारी विभाग कार्यालय के पीछे यह कार्रवाई की गई।

बुलडोजर से शराब की पेटियां कुचलने के बाद इलाके में शराब की तेज गंध फैल गई। इसके बाद जेसीबी से गहरा गड्ढा खोदकर नष्ट की गई शराब को दफनाया गया। यह कदम शराब के दोबारा इस्तेमाल को रोकने के लिए उठाया गया। पुलिस के मुताबिक अवैध शराब जब्त करने के बाद उसका उचित तरीके से निस्तारण आवश्यक है। इससे न सिर्फ मामलों का निपटारा होता है, बल्कि जब्त माल के दुरुपयोग पर भी रोक लगती है। इस कार्रवाई के दौरान जिला आबकारी अधिकारी सुमेर सिंह मीणा और पुलिस बल मौजूद रहा।

सनग्लो इंटरनेशनल स्कूल ने नेशनल लेवल पर फिर से लहराया परचम

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

शुक्रवार को स्कूल प्रांगण में मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर नेशनल लेवल पर जीत कर आए हुए सनग्लो के खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया, जो की जयपुर में हुए 13वीं ओपन नेशनल प्रतियोगिता में भिवाड़ी के सनग्लो स्कूल के खिलाड़ियों ने भाग लिया प्रतियोगिता 22 अगस्त से 24 अगस्त बालाजी कॉलेज में चली जिसमें भावेश दायमा लॉन्ग जंप में प्रथम स्थान हासिल किया सोनू 5000 मीटर रेस में प्रथम स्थान हासिल किया और वॉलीबॉल टीम ने द्वितीय स्थान हासिल किया कोच राहुल ने बताया कि खिलाड़ियों ने खेल में बेहतरीन प्रदर्शन दिखाए छात्रों के वापस आने पर 29 अगस्त को खेल दिवस के अवसर पर सभी खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर तथा लड्डू खिलाकर स्वागत किया गया! इस अवसर पर भिवाड़ी के खेल जगत के जाने- माने खिलाड़ी जगत से सुनील योगी उपस्थित रहे तथा उन्होंने खिलाड़ियों को स्वस्थ के बारे में तथा खेलों में आगे रहने व खेलो में जीतने का मूल मंत्र बताया! प्रिंसिपल सुनीता यादव तथा निदेशक सुरेंद्र यादव ने सभी खिलाड़ियों का हौसलाब्जाई किया तथा मेजर ध्यानचंद के जीवन में किए गए परिश्रम से अवगत कराया!

कुल्लू में बाढ़, भूस्खलन से पेट्रोल-डीजल का संकट, दूध-सब्जी और अखबार की सप्लाई भी ठप

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कुल्लू

बाढ़ और भूस्खलन के बाद जिले में ईंधन संकट ने हालात बिगाड़ दिए हैं। पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति ठप होने से कई पेट्रोल पंप संचालकों ने तेल देना बंद कर दिया है। निजी बस ऑपरेटरों की गाड़ियां डीजल की कमी से खड़ी हो गई हैं। दोपहिया वाहन चालक पेट्रोल के लिए पंपों के चक्कर काट रहे हैं। सड़कें खुलने के बावजूद अब जनजीवन तेल आपूर्ति पर अटक गया है। प्रशासन ने पेट्रोल पंपों को आपातकालीन सेवाओं के लिए रिजर्व स्टॉक बनाए रखने के आदेश दिए हैं। इसके अलावा जमाखोरी पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। जिले में घरेलू गैस सिलिंडरों की फिलहाल कोई समस्या नहीं है और बुकिंग पर डिलीवरी हो रही है। लेकिन दूध, पनीर, दही, ब्रेड, मक्खन, सब्जियों और अखबार की सप्लाई पिछले चार-पांच दिनों से नहीं हुई। शहर को मिलने वाला अधिकतर दूध लगवैली क्षेत्र से आता है, लेकिन वहां से आपूर्ति बंद है। केवल पाहनाला इलाके से आ रहा दूध ही लोगों को मिल रहा है, जो पर्याप्त नहीं है। स्थानीय निवासी संजय शर्मा, अजय शर्मा, बालक राम, मोहन सिंह, नरोत्तम ठाकुर और प्रेम सिंह ने बताया कि पेट्रोल न मिलने से उन्होंने अपनी कारें खड़ी कर दी हैं। बस ऑपरेटर संघ कुल्लू के अध्यक्ष रजत जम्वाल ने कहा कि सड़कें बंद रहने और डीजल न मिलने से कुल्लू से भुंतर-बजौरा रूट की बसें बंद हो गई हैं। नागरिक आपूर्ति निगम गैस एजेंसी प्रभारी चंद्रेश कुमारी ने बताया कि घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलिंडरों की सप्लाई हर क्षेत्र में महीने में दो बार दी जाती है। इस माह सप्लाई दी जा चुकी है। आपात स्थिति से निपटने के लिए सिलिंडर रिजर्व भी रखे गए हैं। जिले के सभी पेट्रोल पंपों को आदेश दिया गया है कि वे एंबुलेंस, अग्निशमन विभाग, आवश्यक वस्तुओं की ढुलाई और सड़क बहाली कार्यों में लगे वाहनों के लिए न्यूनतम रिजर्व स्टॉक बनाए रखें। जमाखोरी और काला बाजारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आदेशों की अवहेलना करने वालों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 188, 269, 270 और आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 की धारा 51 के तहत कार्रवाई होगी। इसमें दो वर्ष तक की सजा, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

सीएम सिद्धारमैया का बड़ा एलान, राष्ट्रीय खेलों में पदक विजेताओं की पुरस्कार राशि में वृद्धि

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को बड़ा एलान किया। उन्होंने राष्ट्रीय खेलों में पदक विजेताओं की पुरस्कार राशि में वृद्धि की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सरकार एथलीटों को समर्थन देने और उन्हें अधिक ऊंचाइयां हासिल करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। सिद्धारमैया ने उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में राज्य का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देते करते हुए कहा, 'हमने स्वर्ण पदक विजेताओं को सात लाख रुपये, रजत पदक विजेताओं को पांच लाख रुपये और कांस्य पदक विजेताओं को तीन लाख रुपये देने का फैसला किया है।' इन खेलों में कर्नाटक 34 स्वर्ण, 18 रजत और 28 कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में पांचवें स्थान पर रहा। सीएम ने आगे कहा, 'यह हम सभी के लिए गर्व की बात है। मुझे उम्मीद है कि कर्नाटक अगले खेलों में पहला स्थान हासिल करेगा।' इस दौरान सिद्धारमैया ने याद दिलाया कि 2015 में उनके पिछले कार्यकाल के दौरान स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेताओं के लिए क्रमशः पांच लाख रुपये, तीन लाख रुपये और दो लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की गई थी। उन्होंने कहा, 'कर्नाटक ओलंपिक संघ ने राशि बढ़ाने का आग्रह किया था। हमने उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया है और राशि में संशोधन किया है।' सिद्धारमैया ने यह भी कहा कि एथलीटों को पदक जीतने में मदद करने वाले प्रबंधकों और कोचों को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, 'सरकार राज्य में खेलों को हर संभव सहयोग देगी। मैं शुरू से ही एथलीटों की मांगों को पूरा करता रहा हूं।' मुख्यमंत्री ने दोहराया कि पदक विजेताओं को सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया जाएगा। इस दौरान उन्होंने खेल कोटे से पुलिस आबकारी विभाग में डिप्टी एसपी नियुक्त किए गए सुनील भाटी का उदाहरण देते हुए कहा, 'उच्च पदों पर पदोन्नति के अवसर भी उपलब्ध होंगे।' मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अंतरराष्ट्रीय खेल मंचों पर देश और राज्य का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को भी पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेताओं को पांच करोड़ रुपये, रजत पदक विजेताओं को तीन करोड़ रुपये और कांस्य पदक विजेताओं को दो करोड़ रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।'

पाकिस्तान से संघर्ष में मध्यस्थता के ट्रंप के दावे को खारिज करना भारत पर टैरिफ की वजह, जेफरीज का दावा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की हर ओर आलोचना हो रही है। कई अमेरिकी अर्थशास्त्री इसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था और अमेरिकी विदेश नीति के लिए आत्मघाती कदम बता रहे हैं। वहीं, अब अमेरिकी बहुराष्ट्रीय निवेश बैंक और वित्तीय सेवा कंपनी जेफरीज ने अपनी एक हालिया रिपोर्ट में कहा है कि भारत पर अमेरिकी टैरिफ का कारण भारत-पाकिस्तान विवाद में मध्यस्थता के उनके दावे को स्वीकृति न मिलना है। जिसके कारण वे व्यक्तिगत तौर पर नाराज हो गए हैं और ऐसे कदम उठा रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने मई में दोनों देशों के बीच चार दिवसीय सैन्य तनाव के बाद अपने हस्तक्षेप का दावा किया था, लेकिन उन्हें भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को समाप्त करने का क्रेडिट नहीं मिला, जैसाकि वे चाहते थे। भारत ने ट्रंप के दावों को लगातार नकारते हुए पाकिस्तान के साथ संघर्ष में तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप को खारिज किया है। जेफरीज ने बताया कि भारी आर्थिक नुकसान के बावजूद इस रुख को भारत ने बरकरार रखा है। जेफरीज ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि भारत की असहमति के कारण राष्ट्रपति ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए वैश्विक रूप से मिल रही स्वीकार्यता भी कमजोर पड़ी है। इसके अलावा जेफरीज ने अपनी रिपोर्ट में ट्रंप द्वारा भारत पर टैरिफ लगाने के कुछ अन्य कारण भी गिनाये हैं। जिनमें रूस-यूक्रेन युद्ध प्रमुख है। इसमें कहा गया है कि ट्रंप अभी तक यूक्रेन जंग को खत्म करने के अपने चुनावी वादे को पूरा नहीं कर पाए हैं। जिसके कारण भी उनमें खिसियाहट है। वहीं, भारत द्वारा रूस से तेल खरीद जारी रखना भी वॉशिंगटन में असंतोष का कारण बना। लेकिन रिपोर्ट का दावा है कि टैरिफ का असली और मूल कारण भारत का पाकिस्तान मामले में ट्रंप को दखल न देने देना है।

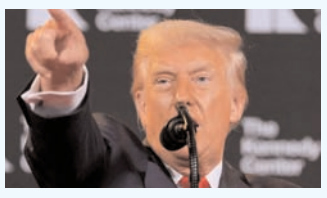

मुख्यधारा की शिक्षा को गुरुकुल में जोड़ने की वकालत, नई शिक्षा नीति जरूरी, पुरानी गुलाम बनाने वाली: भागवत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

भागवत ने कहा, 'गुरुकुल शिक्षा का मॉडल फिनलैंड के शिक्षा मॉडल जैसा है। फिनलैंड में शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए अलग विश्वविद्यालय है। स्थानीय आबादी कम होने के कारण कई लोग विदेशों से आते हैं, इसलिए वे सभी देशों के छात्रों को स्वीकार करते हैं। वहां, आठवीं कक्षा तक की शिक्षा छात्रों की मातृभाषा में दी जाती है। इस दौरान कोई क्लास वर्क नहीं दिया जाता। दस छात्रों पर एक शिक्षक का औसत है।' राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष में आयोजित तीन दिवसीय संवाद के अंतिम दिन संघ प्रमुख मोहन भागवत ने सवाल-जवाब सत्र को संबोधित किया। विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संघ प्रमुख ने नई शिक्षा नीति की तारीफ करते हुए कहा, नई शिक्षा प्रणाली इसलिए शुरू की गई, क्योंकि हमें केवल राज्य नहीं चलाना है, हमें लोगों को चलाना है। पुरानी शिक्षा प्रणाली विदेशी आक्रमणकारियों ने बनाई थी। हम हमेशा विदेशी आक्रमणकारियों के गुलाम रहे, जो उस समय के राजा थे। वे इस देश पर शासन करना चाहते थे, इसका विकास नहीं करना चाहते थे। इसलिए उन्होंने सभी प्रणालियां इस बात को ध्यान में रखते हुए बनाईं कि हम लोगों को गुलाम बनाए रखते हुए कैसे इस देश पर शासन कर सकते हैं...लेकिन अब हम स्वतंत्र हैं। इसलिए नई शिक्षा प्रणाली इसलिए शुरू की गई। संघ प्रमुख ने मुख्यधारा की शिक्षा को गुरुकुल शिक्षा से जोड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि गुरुकुल शिक्षा का मतलब आश्रम में रहना नहीं, बल्कि देश की परंपराओं को सीखना है। भागवत ने कहा, गुरुकुल शिक्षा का मॉडल फिनलैंड के शिक्षा मॉडल जैसा है। फिनलैंड में शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए अलग विश्वविद्यालय है। स्थानीय आबादी कम होने के कारण कई लोग विदेशों से आते हैं, इसलिए वे सभी देशों के छात्रों को स्वीकार करते हैं। वहां, आठवीं कक्षा तक की शिक्षा छात्रों की मातृभाषा में दी जाती है। इस दौरान कोई क्लास वर्क नहीं दिया जाता। दस छात्रों पर एक शिक्षक का औसत है। संघ प्रमुख ने कहा, विदेशी नहीं, देश में इस्तेमाल होने वाली हर भाषा राष्ट्रभाषा है। सभी मातृभाषा के पास अपनी संस्कृति, अपनी विरासत है। सवाल संपर्क की भाषा पर सहमति बनाने की है। यह विदेशी नहीं होनी चाहिए। हमें मिलजुलकर तय करना होगा कि देश की संपर्क भाषा क्या होगी। इस दौरान उन्होंने संस्कृत की शिक्षा की वकालत करते हुए कहा कि चूंकि सारे ग्रंथ, उपनिषद इसी भाषा में लिखे गए, इसलिए संस्कृत के ज्ञान के बिना हम अपने देश को नहीं जान सकते। उन्होंने कहा कि अनुवाद ज्ञान का सर्वश्रेष्ठ स्रोत नहीं है। गलत अनुवाद के कारण ही देश में कई भ्रांतियां पैदा हुई हैं। भागवत ने कहा कि आप अंग्रेजी उपन्यास पढ़ें। हम अंग्रेज नहीं हैं, हमें अंग्रेज नहीं बनना है, लेकिन अंग्रेजी भाषा सीखने में क्या दिक्कत है? मुझे भी पिताजी ने कई अंग्रेजी उपन्यास पढ़ाए। इससे मेरे हिंदुत्व पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। लेकिन अंग्रेजी लेखकों को पढ़ें और प्रेमचंद जैसे भारतीय कहानीकारों को छोड़ दें, यह ठीक नहीं है। भागवत ने फिर कहा कि राम मंदिर एकमात्र ऐसा आंदोलन था, जिसका संघ ने समर्थन किया था। वह उद्देश्य पूरा हुआ। संघ काशी-मथुरा पुनरुद्धार सहित किसी भी अन्य ऐसे अभियान का समर्थन नहीं करेगा। हालांकि भागवत ने स्पष्ट किया कि आरएसएस के स्वयंसेवक ऐसे आंदोलनों में शामिल होने के लिए स्वतंत्र हैं। हिंदू मानस में काशी-मथुरा और अयोध्या का महत्व है। दो जन्मभूमि हैं और एक निवास स्थान। स्वाभाविक है कि हिंदू समाज इसका आग्रह करेगा। हम कहते हैं बाकी जगह मंदिर और शिवलिंग मत ढूंढो। तीन का ही आग्रह है, तो उसे स्वीकार कर लो। यह भाईचारे व सौहार्द्र की दिशा में बड़ा कदम होगा। संघ प्रमुख ने कहा कि हमारे सभी सरकारों से संबंध ठीक हैं। हम सभी में परिवर्तन की संभावना देखते हैं। अच्छे कार्य के लिए किसी का भी समर्थन करने के लिए तैयार हैं। 1948 में संघ कार्यालय में आग लगाने के लिए मशाल लेकर निकलने वाले जयप्रकाश नारायण ने आपातकाल के दौरान कहा कि संघ ही देश में परिवर्तन ला सकता है। दिवंगत राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी जब संघ मुख्यालय आए तो संस्था के प्रति उनकी गलतफहमी दूर हुई।

ट्रंप की डिप्लोमेसी फुस्स! पुतिन से मीटिंग भी नहीं करा पाई यूक्रेन से सीजफायर, शांति छोड़िए और बिगड़ गए हालात

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने की लफ्फाजी मारने वाले डोनाल्ड ट्रंप की डिप्लोमेसी पर अब सवाल उठने लगे हैं क्योंकि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उनकी कूटनीति की कुटाई कर दी है। अलास्का के आंगन में ट्रंप-पुतिन की मीटिंग को रूस-यूक्रेन के बीच युद्धविराम की दिशा में एक नया मोड़ बताया जा रहा था। हालांकि इसका नतीजा अगर देखा जाए तो सीजफायर तो नहीं हुआ बल्कि युद्ध चरम स्तर पर पहुंच गया है। अलस्का में पुतिन से मिलने से पहले ट्रंप ने दावा किया था कि उनका टारगेट सीजफायर कराना है और अगर रूस उनकी बात नहीं मानेगा तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। ट्रंप का ये दावा भी खोखला साबित होता दिख रहा है क्योंकि इस मीटिंग को हुए 15 दिन बीत गए लेकिन रूस-यूक्रेन के बीच युद्धविराम की दिशा में कोई ठोस कदम उठाया हुआ नहीं दिख रहा है। 15 अगस्त, 2025 को हुई इस मुलाकात के बाद पुतिन ने ट्रंप को नजरंदाज करते हुए यूक्रेन पर हमले और तेज कर दिए। ट्रंप-पुतिन की मुलाकात के एक दिन बाद ही यूक्रेन ने आरोप लगाया कि रूस ने ड्रोन और मिसाइल से हमला किया। यूक्रेन के एयर डिफेंस सिस्टम ने कई रूसी ड्रोन्स को रोक दिया। इसके बाद रूस ने 20-21 अगस्त को फिर से यूक्रेन पर हमला किया। ये 2025 का तीसरा सबसे बड़ा हमला था, जिसमें रूस ने 500 से ऊपर ड्रोन और 40 मिसाइलें दागीं। बात यहीं खत्म नहीं होती। बीते दिन यानि कि गुरुवार (28 अगस्त, 2025) को रूस ने कीव पर हमला किया, इसमें 629 ड्रोन्स और मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। इस वाले हमले में तो यूरोपीय यूनियन की बिल्डिंग को भी नुकसान पहुंचा था। जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तो यूक्रेन ने भी जवाबी हमले किए। कहने का मतलब है कि अलास्का मीटिंग का इतना ढिंढोरा पीटा गया और इसके बाद भी हालात में एक इंच का भी बदलाव नहीं देखने को मिला। हालांकि ट्रंप ने इस बैठक के बाद कहा था कि फिलहाल सीजफायर को लेकर किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंचे हैं लेकिन उन्होंने यह भी कहा था कि कई बिंदुओं पर बात बनी है और इसे प्रोडक्टिव करार दिया था।

इस्राइली सेना ने गाजा के सबसे बड़े शहर को युद्ध क्षेत्र घोषित किया, मानवीय मदद देने पर भी लगाई रोक

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तेल अवीव

इस्राइली सेना ने गाजा के सबसे बड़े शहर गाजा सिटी को युद्ध क्षेत्र में बदल दिया है और साथ ही गाजा सिटी में मानवीय मदद के वितरण पर भी रोक लगा दी है। इससे गाजा शहर में रहने वाले हजारों लोगों की परेशानी और बढ़ेगी, जो पहले ही भुखमरी जैसे हालात से जूझ रहे हैं। इस्राइली सेना ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि आज सुबह 10 बजे से गाजा सिटी में सैन्य गतिविधियों पर स्थानीय सामरिक रोक लागू नहीं रहेगी। इस क्षेत्र को खतरनाक युद्ध क्षेत्र घोषित किया गया है। इस्राइली सेना का दावा है कि हाल के हफ्तों में गाजा में मानवीय सहायता के प्रवेश और वितरण को सुगम बनाने के लिए गाजा पट्टी के कुछ हिस्सों में इस तरह की रोक लगाई गई है। इस्राइली सेना आईडीएफ ने कहा कि गाजा शहर को छोड़कर, बाकी पूरे क्षेत्र में स्थानीय सामरिक रोक लागू रहेगी। आईडीएफ ने कहा 'वे इस्राइली नागरिकों की रक्षा के लिए गाजा में आतंकवादी समूहों के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाएंगे'। माना जा रहा है कि इस्राइली सेना गाजा शहर पर कब्जा करने की तैयारी कर रही है, जहां गाजा की अनुमानित 10 लाख की आबादी में से आधी आबादी शरण लिए हुए है।

भारी बारिश से लातूर में जनजीवन अस्त-व्यस्त, स्कूलों में छुट्टी, मौसम विभाग ने जारी किया यलो अलर्ट

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लातूर

महाराष्ट्र के लातूर जिले में लगातार भारी बारिश के चलते जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। प्रशासन ने शुक्रवार को जिले के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राज्य के मराठवाड़ा क्षेत्र में स्थित लातूर जिले के 60 राजस्व मंडलों में से 29 में गुरुवार रात तक अत्यधिक बारिश दर्ज की गई। इससे नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ गया, जिससे राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने पड़े। लगभग 50 सड़कें और पुल बंद कर दिए गए हैं, क्योंकि उनके ऊपर से पानी बहने लगा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 29 अगस्त के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। इसी के मद्देनजर जिला कलेक्टर और आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्ष वर्षा ठाकुर घुगे ने पहली से बारहवीं कक्षा तक के सभी स्कूलों में छुट्टी का एलान किया है। आपदा प्रबंधन की टीमों और स्थानीय ग्रामीणों ने शिरुर अनंतपाल और अहमदपुर तहसीलों के बाढ़ग्रस्त इलाकों में फंसे दस लोगों को बचाया। अहमदपुर में सेना की एक टीम भी पहुंच चुकी है। शिरुर अनंतपाल में एक नदी किनारे बने शेड में फंसे पांच लोगों और घरनी नदी पर पुल निर्माण के दौरान फंसे तीन मजदूरों को सुरक्षित निकाला गया। अहमदपुर के कालेगांव में जलाशय के जल निकासी मार्ग पर फंसे एक व्यक्ति को भी बचा लिया गया। मकनी गांव में एक व्यक्ति बाढ़ के पानी से भरे पुल को पार करते समय बह गया था, जिसे स्थानीय लोगों ने बचा लिया। उसे मामूली चोटें आई हैं और वह शिरुर ताजबंद के साईकृपा अस्पताल में इलाज करा रहा है। राज्य राजमार्ग 238 का निलंगा-उदगीर-धनेगांव मार्ग अधिक पानी के चलते बंद कर दिया गया है। वहीं, शिरूर के पास मांजरा नदी पर बना पुल डूबने के कारण निलंगा-उदगीर मार्ग भी बंद हो गया है। टागरखेड़ा से औरड को जोड़ने वाले दो रास्ते ठहरे हुए पानी की वजह से बंद हो गए हैं। अब वाहन चालकों को हालसे-तांबरवाड़ी-हलगारा के रास्ते बीदर रोड की ओर जाना पड़ रहा है। निलंगा तहसील के शेलगी गांव में गुरुवार आधी रात को बिजली गिरने से पांच मवेशियों की मौत हो गई। चाकुर तहसील में बीएसएफ कैंप परिसर में स्थित केंद्रीय विद्यालय के परिसर में पानी भर जाने से 679 छात्र और 40 शिक्षक फंस गए थे। सभी को बीएसएफ जवानों ने गुरुवार शाम सुरक्षित निकाल लिया। लातूर के पड़ोसी जिले नांदेड़ में भी भारी बारिश के कारण हालात गंभीर हैं। गुरुवार को अधिकारियों ने बताया था कि लातूर और नांदेड़ जिलों में भारी बारिश के कारण 2,200 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

मराठा आरक्षण पर निष्क्रियता को लेकर भाजपा ने विपक्षी नेताओं पर साधा निशाना, कहा- जनता मांग रही जवाब

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंबई

महाराष्ट्र भाजपा के प्रवक्ता केशव उपाध्ये ने शुक्रवार को विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) पर आरोप लगाया कि जब वह सत्ता में थी, तब उसने मराठा समुदाय की मांगों की अनदेखी की। उपाध्ये ने कहा कि मुंबई में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर कार्यकर्ता मनोज जरांगे के आंदोलन के बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के प्रमुख शरद पवार, शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और कांग्रेस को मराठा आरक्षण मुद्दे पर निष्क्रिय हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, महा विकास अघाड़ी सरकार के दौरान शरद पवार, उद्धव ठाकरे और कांग्रेस ने मराठा समुदाय को जानबूझकर नजरअंदाज किया। आज भी जब मनोज जरांगे बिना ओबीसी आरक्षण को प्रभावित किए मराठों के लिए आरक्षण की मांग कर रहे हैं, तब भी ये तीनों चुप्पी साधे हुए हैं। उपाध्ये ने दावा किया कि शरद पवार पहले कह चुके हैं कि आरक्षण का मुद्दा अब नहीं उठाना चाहिए, लेकिन अब उन्होंने 'भ्रामक और बचाव वाला रुख' अपना लिया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' ने मराठा समुदाय की मौन रैलियों का मजाक उड़ाते हुए उन्हें 'मूक मोर्चा' कहा। कांग्रेस पर उन्होंने आरोप लगाया कि उसने मराठा समुदाय को दशकों से सिर्फ वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा, भाजपा का रुख स्पष्ट है कि मराठा समुदाय को ओबीसी कोटा प्रभावित किए बिना आरक्षण मिलना चाहिए और इसके लिए कानूनी तैयारी चल रही है। अब समुदाय को भी शरद पवार, उद्धव ठाकरे और कांग्रेस से दोहरे रुख की जगह स्पष्ट जवाब मांगना चाहिए। उपाध्ये ने कहा कि यह देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार थी, जिसने मराठाओं को 10 फीसदी आरक्षण देने का फैसला लिया था, जिसमें बाद में सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया।

भूख हड़ताल को लेकर बिफरे ओबीसी नेता

जरांगे चिंगारी थे, शरद-उद्धव ने ज्वालामुखी बना दिया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंबई

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण को लेकर सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। जहां एक ओर आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मुंबई में अपनी भूख हड़ताल शुरू कर दी है। वहीं ओबीसी समुदाय इससे नाराज है। ओबीसी समुदाय के नेता लक्ष्मण हाके ने मनोज जरांगे की मांगो को लेकर बड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर उनकी मांगे मान ली गईं तो यह ओबीसी वर्ग के ही हिस्से में आएंगी ऐसे में हम भी अपना आंदोलन शुरू करेंगे। इतना ही नहीं उन्होंने विपक्षी नेताओं शरद पवार, उद्धव ठाकरे पर जरांगे को शह देने का भी आरोप लगाया। लक्ष्मण हाके ने कहा कि जरांगे तो सिर्फ एक चिंगारी थे, लेकिन विपक्षी नेता शरद पवार, उद्धव ठाकरे और कुछ मंत्रियों ने उन्हें ज्वालामुखी बना दिया। पत्रकारों से बातचीत में हाके ने कहा कि जरांगे को आज रेड कार्पेट मिल रहा है, लेकिन मेरे खिलाफ तो कहीं भी जाने पर एफआईआर दर्ज हो जाती है। हाके ने आरोप लगाया कि सभी दलों के विधायक-सांसद जरांगे का समर्थन कर रहे हैं और संसाधन उपलब्ध करा रहे हैं। हाके ने कहा कि सिर्फ पांच से दस प्रतिशत मराठा मुंबई में प्रदर्शन के लिए पहुंचे हैं, जबकि ओबीसी आबादी 50 प्रतिशत है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार इस मुद्दे पर सीएम फडणवीस को मुश्किल में डाल रहे हैं क्योंकि उनके विधायक जरांगे के साथ खड़े हैं। इससे पहले, बीड जिले में एनसीपी विधायक विजयसिंह पंडित के समर्थकों से झड़प के बाद हाके और उनके 13 समर्थकों पर दंगा और गैरकानूनी जमावड़े का मामला दर्ज किया गया था। इसे लेकर हाके ने कहा कि हम संवैधानिक तरीके से लड़ाई लड़ रहे हैं। लेकिन सरकार हमारे साथ भेदभाव कर रही है। किसी गांव में अपराध होता है तो सबसे पहले ओबीसी लोगों को ही हिरासत में लिया जाता है। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भी मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि सरकार को मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे से तुरंत संवाद करना चाहिए और समुदाय को न्याय देना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा